DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शनिवार 28 मई 2022 | पीडीएफ अंक-38 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –41 | सूर्योदय – 5 : 24
न्यूनतम – 30 | सूर्यास्त – 7 : 12

सोना चांदी

सोना – 52845.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 61500.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 54884.66 | निफ्टी – 16352.45
रु/यूएस डॉलर – 77.55 | रु/यूरो – 83.17

न्यूज फ्लैश

आप और भाजपा की मिलीभगत से दिल्ली में गरीबों का रहना मुश्किल : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि भाजपा और केजरीवाल सरकार की मिलीभगत से राजधानी में गरीबों का रहना मुश्किल हो गया है। चौधरी ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया में आज गरीबों की दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर चलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों पर हुई इस कार्रवाई की कांग्रेस निंदा करती है और ऐसे लोगों की पार्टी कानूनी मदद भी करेगी जिसके घरों या दुकानों को गिरा दिया गया है। अनिल कुमार ने कहा कि नारायणा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में जो लोग बीते 30 से 40 वर्षों से यहां रह रहे थे उनके घरों और दुकानों को अवैध बताकर तोड़ दिया गया है। चौधरी ने भाजपा और आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि गरीबों के घरों और दुकानों पर बुलडोजर दोनों दलों की मिलीभगत से चलाया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि वर्षों से नारायणा औद्योगिक क्षेत्र में रह रहे गरीब लोगों को भाजपा और केजरीवाल सरकार ने आज उजाड़ दिया। जबकि इन लोगों के पास वह सभी आधिकारिक दस्तावेज हैं जिनके आधार पर इन्हें उजाड़ा नहीं जा सकता था।

बॉक्सर मनीषा और परवीन हुड्डा को डीजी आईटीबीपी ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की सेंट्रल बॉक्सिंग टीम की खिलाड़ी हेड कांस्टेबल मनीषा मौन और कांस्टेबल परवीन हुड्डा को शुक्रवार को यहां आईटीबीपी मुख्यालय में आईटीबीपी के डीजी संजय अरोरा ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में तुर्की की राजधानी इस्तानबुल में संपन्न हुई विश्व महिला बॉक्सिंग चैंपियनशिप-2022 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतियोगिता में बॉक्सर मनीषा ने 53-57 किग्रा. भार कैटगरी में तथा परवीन हुड्डा ने 60-63 किग्रा. भार कैटेगरी में कांस्य पदक जीतकर देश व आईटीबीपी का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। आईटीबीपी के प्रवक्ता विवेक पांडेय ने बताया कि डीजी संजय अरोरा ने दोनों खिलाड़ियों को महानिदेशक प्रतीक चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और आईटीबीपी की स्पोर्टस पॉलिसी के अनुसार क्रमशः एक लाख 60 हजार का नगद इनाम प्रदान कर उनका हौसला बढ़ाया। आईटीबीपी के मुख्य बॉक्सिंग कोच जोगिन्दर सौण को महानिदेशक प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीजी ने खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए और अच्छा करने के लिए प्रेरित किया।

दो-तीन दिन में केरल पहुंचेगा मानसून, दिल्ली में बादल छाए रहने की उम्मीद

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी है। लोगों को गर्मी से राहत कब मिलेगी, यह सबसे बड़ा सवाल है। सवाल यह भी है कि आखिर देश में मानसून दस्तक कब देगा? इस लेकर अब भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बड़ी बात कही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आरके जेनामणि ने कहा कि अगले दो से तीन दिनों में केरल में मानसून पहुंच सकता है। इसके साथ ही दिल्ली में आगामी कुछ दिनों तक बादल छाए रहने वाले हैं। जेनामणि ने बताया कि वर्षा के कारण, भारत के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य और सामान्य से नीचे है। अगले 5 दिनों में कोई लू की स्थिति नहीं होगी। पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में सक्रिय है और वहां बारिश का कारण बनेगा। जेनामणि ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून दक्षिण अरब सागर और लक्षद्वीप के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। पिछले 24 घंटों में, केरल तट और दक्षिण-पूर्व अरब सागर में बादलों की उपस्थिति बढ़ी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। केरल में मानसून की शुरूआत 2-3 दिनों में होने की संभावना है। वहीं दिल्ली के लेकर भी उन्होंने बड़ा बयान दिया है। जेनामणि ने बताया कि दिल्ली में अगले 2 दिनों तक बादल छाए रहने वाले हैं।

महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों ने बढ़ाई चिंता

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर से कोरोनावायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। राजधानी मुंबई में भी कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। यही कारण है कि महाराष्ट्र सरकार अलर्ट हो गई है। कोरोना के मामलों में इजाफा को देखते हुए सरकार लगातार एक्सपर्ट की राय ले रही है। खबर है कि बृहन्मुंबई नगर निगम चौथी लहर की आशंका को लेकर अपनी तैयारियों की शुरूआत कर चुका है। नगर निगम को इस बात की आशंका है कि सितंबर के महीने में इसका पीक आ सकता है। इसके अलावा मुंबई के सभी कोविड-19 अस्पतालों को भी अलर्ट पर रखा गया है। महाराष्ट्र में कोरोना के 511 नए मामले सामने आए जो पांच मार्च के बाद सर्वाधिक है। प्रदेश में संक्रमण से एक मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बुलेटिन जारी कर कहा है कि नई मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 78,84,329 हो गयी है जबकि इससे मरने वालों की संख्या 1,47,858 पर पहुंच गई है। बुधवार को प्रदेश में 470 नये मामले सामने आये थे जबकि इससे किसी की मौत नहीं हुयी थी। नये मामलों में मुंबई में 350 नये मामले सामने आये। पांच मार्च को संक्रमितों की संख्या 535 थी और उसके बाद से पिछले 24 घंटे की अवधि में सबसे अधिक है। इसमें कहा गया है कि प्रदेश में 2,361 मामले उपचाराधीन हैं। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,710 नए मामले सामने आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके मरीजों की संख्या बढ़कर 4,31,47,530 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या 15,814 पर पहुंच गई, जो एक दिन पहले 15,414 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, 14 और संक्रमितों के दम तोड़ने से मृतक संख्या बढ़कर 5,24,539 हो गई है।

प्रधानमंत्री ने ड्रोन तकनीक के गिनाए लाभ, कहा भारत में वैश्विक हब बनने की अपार क्षमतायें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में ड्रोन टेक्नोलॉजी का लाभ गिनाते हुए कहा कि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक हब बनने की अपार क्षमताएं रखता हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक से जुड़े क्षेत्र में अपार रोजगार सृजन क्षमताएं हैं और सरकार उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं (पीएलआई) से देश में ड्रोन उत्पादन का एक सशक्त वातावरण बना रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय भारत ड्रोन महोत्सव 2022 की शुरूआत की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने किसान ड्रोन पायलटों से बातचीत की, ओपन-एयर ड्रोन उड़ान प्रदर्शन का अवलोकन किया और ड्रोन प्रदर्शनी केंद्र में स्टार्ट-अप के लोगों से चर्चा की। प्रधानमंत्री ने 150 रिमोट पायलट सर्टिफिकेट भी लॉन्च किए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तकनीक के माध्यम से सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में मिल रही मदद का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी बड़ी क्रांति का आधार बन रही है और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना इसका एक बड़ा उदाहरण है। इस योजना के तहत पहली बार देश के गांव की हर संपत्ति की डिजिटल मैपिंग की जा रही है। लोगों को डिजिटल प्रॉपर्टी कार्ड दिए जा रहे हैं। अपनी सरकार के तकनीक को प्राथमिकता देने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें इसे समस्या का हिस्सा मानती थी। गरीब विरोधी बताती थी। तकनीक का उपयोग ना करने से देश में मध्यमवर्ग और वंचित वर्ग को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि

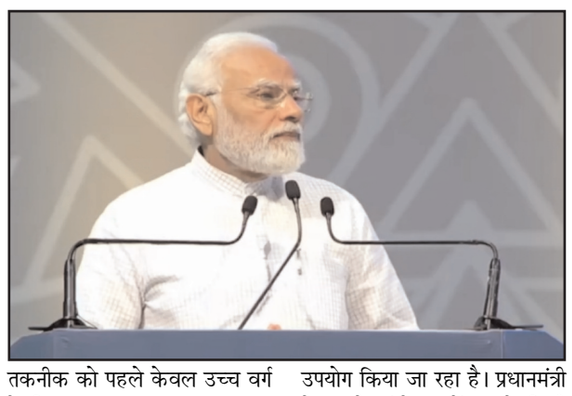

तकनीक को पहले केवल उच्च वर्ग के लिए माना जाता था।

आज तकनीक सर्व सुलभ बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक से अंत्योदय को लक्ष्य को प्राप्त करना आसान है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अपने निजी अनुभवों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि कैसे वह ड्रोन तकनीक का उपयोग कर विकास परियोजनाओं की परीक्षा समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन से वे कई सरकारी परियोजनाओं का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले तक ड्रोन पर बहुत सारे प्रतिबंध थे। सरकार ने इनमें से अधिकतर को हटा लिया है। साथ ही पीएलआई जैसी योजनाओं के जरिए भारत में ड्रोन उत्पादन का एक सशक्त वातावरण भी तैयार किया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अंग्रेजी भाषा में कहा जाता है कि जिस विचार का समय आ जाए उस से बड़ा कुछ नहीं है। ड्रोन वैसा ही विचार है जिसका अब भारत में समय आ गया है।

ऐसा अनुमान है कि ड्रोन वर्ष 2026 तक 15 करोड़ हजार करोड़ का कारोबार होगा। आज देश में 270 ड्रोन से जुड़े स्टार्ट अप हैं। ड्रोन उत्पादन क्षेत्र में 10 हजार नौकरियां और सेवा क्षेत्र में 5 लाख नौकरियां सृजित कर सकता है। भारत ड्रोन महोत्सव 2022 दो दिवसीय कार्यक्रम है। यह 27 और 28 मई को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव में सरकारी अधिकारियों, विदेशी राजनयिकों, सशस्त्र बलों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, निजी कंपनियों और ड्रोन स्टार्ट-अप आदि सहित 1600 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। ड्रोन प्रदर्शनी में 70 से अधिक प्रदर्शक ड्रोन के विभिन्न उपयोगों के बारे में प्रदर्शन करेंगे। महोत्सव में अन्य कार्यक्रमों के अलावा ड्रोन पायलट प्रमाणपत्र का वर्चुअल वितरण, उत्पादों की लॉचिंग, पेनल चर्चा, उड़ान प्रदर्शन, मेड इन इंडिया ड्रोन टैक्सी प्रोटोटाइप की प्रदर्शनी आदि को भी शामिल किया गया है।

लद्दाख की श्योक नदी में गिरा सैन्य ट्रक, सेना के सात जवान शहीद

लद्दाख। लद्दाख के तुरतुक सेक्टर में शुक्रवार को एक सैन्य ट्रक श्योक नदी में फिसल कर गिर गया। इस बड़े सड़क हादसे में सेना के सात जवान शहीद हो गए जबकि 19 घायल हैं। गंभीर रूप से घायल जवानों को एयरलिफ्ट करके चंडीमंदिर कमान अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। भारतीय सेना ने एक बयान में बताया कि 26 जवानों का एक दल परतारपुर के ट्रांजिट कैंप से सब-सेक्टर हनीफ में एक फॉरवर्ड लोकेशन पर जा रहा था। सुबह लगभग 9 बजे थोइसे से 25 किलोमीटर दूर गाड़ी सड़क से फिसल गई और श्योक नदी (लगभग 50-60 फुट नीचे) में गिर गई, जिससे इसमें बैठे सभी जवानों को चोटें आईं। सभी 26 जवानों को बाहर निकाल कर सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां सात की मौत हो गई। सेना ने आगे कहा कि घायलों को सर्वोत्तम

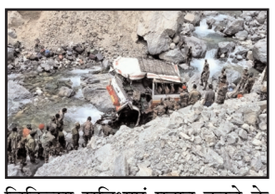

चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए समर्पित प्रयास जारी हैं, जिनमें अधिक गंभीर जवानों को पश्चिमी कमांड शिफ्ट करने के लिए वायुसेना से हवाई मदद का अनुरोध भी शामिल है। हादसे में घायल 19 जवानों को परतापुर के 403 फील्ड अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर उनका उपचार जारी है। उनके इलाज के लिए लेह से डॉक्टरों की टीम बुलाई गई है। गंभीर घायल जवानों को एयरलिफ्ट करके चंडीमंदिर कमान अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। खबर लिखे जाने तक मृत जवानों और घायलों की पहचान नहीं हो पाई थी।

अब उल्टी राइफल और हेलमेट को भी इंडिया गेट से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक किया गया स्थानांतरित

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की प्रतीक उल्टी राइफल और हेलमेट शुक्रवार को इंडिया गेट से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थानांतरित कर दिया गया। इसे परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं की प्रतिमाओं के बीच स्थापित किया गया है। इंडिया गेट पर 50 साल तक प्रज्वलित रही 'अमर जवान ज्योति' को पहले ही इसी साल की शुरूआत में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 'शाश्वत लौ' के साथ विलीन किया जा चुका है। इस समारोह के साथ 1971 के युद्ध के शहीद सैनिकों के स्मारक का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के साथ एकीकरण पूरा हो गया है। पाकिस्तान के साथ 1971 में हुए ऐतिहासिक युद्ध में भारतीय सेना के 3,843 जवान शहीद

हुए थे। इनकी याद में तत्कालीन सरकार ने इंडिया गेट के नीचे 'अमर जवान ज्योति' स्थापित की और एक काले रंग का स्मारक बनाया गया, जिस पर 'अमर जवान' लिखा गया। इस पर एल1ए1 सेल्फ लोडिंग उल्टी राइफल भी रखी गई, जिस पर एक सैनिक का हेलमेट टांगा गया। उन शहीदों की याद में जली वह मशाल पिछले 50 साल से निरंतर जलती रही है। यह 'अमर जवान ज्योति' 21 जनवरी की शाम राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 'शाश्वत लौ' के साथ विलीन की गई थी। उस समय उल्टी राइफल और सैनिक का हेलमेट इंडिया गेट पर ही रहने दिया गया था। पाकिस्तान के साथ हुए 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की प्रतीक उल्टी राइफल और हेलमेट शुक्रवार को इंडिया गेट से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थानांतरित कर दिया गया। इसे परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं की प्रतिमाओं के बीच स्थापित किया गया है। समारोह का नेतृत्व चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी (सीआईएससी) के चेयरमैन एयर मार्शल बीआर कृष्णा ने किया और तीनों सेनाओं के एडजुटेंट जनरल समकक्षों ने भाग लिया। समारोह की शुरूआत में अंतिम सलामी दी गई और सीआईएससी ने इंडिया गेट पर माल्यार्पण किया। इसके बाद उल्टी राइफल और हेलमेट को एक औपचारिक वाहन से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक तक ले जाकर एक नव निर्मित स्मारक में स्थापित किया गया।

केजरीवाल सरकार करवाएगी दिल्ली की 12 सड़कों की मरम्मत

-16.03 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की सड़कों के सुधार से संबंधित कार्यों पर तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। इस दिशा में दिल्ली की 12 सड़कों के सुधार से संबंधित कार्यों के लिए दिल्ली सरकार ने 16.03 करोड़ रुपए लागत की परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन सड़कों का सुधार आधुनिक तकनीक की मदद से पीडब्ल्यूडी द्वारा किया जाएगा, ताकि लम्बे समय तक ये सड़कें मजबूत बनी रहें। दिल्ली सरकार द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के लोगों को आवाजाही में किसी प्रकार की समस्या न हो और उन्हें जाम से न जूझना पड़े, इसके लिए समय-समय पर जरुरत के अनुसार पीडब्ल्यूडी द्वारा सड़कों की मरम्मत का कार्य होता है। इन सड़कों

में सुधार के लिए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने हालात और आवश्यकताओं का गहन निरीक्षण किया, जिसके बाद इन परियोजनाओं को सरकार की मंजूरी मिली। इन 12 सड़कों में से एक सड़क मार्जिनल बांध रोड है, जो कि नोएडा और दिल्ली को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है। जिसका प्रतिदिन लाखों यात्री इस्तेमाल करते है। पीडब्ल्यूडी का मुख्य रूप से ध्यान अक्षरधाम मंदिर के सामने वाले हिस्से की सड़कों पर है। इसमें दो आरओबी को जोड़ने वाली सड़कें और तीन यू-टर्न शामिल हैं। इस सड़क में सुधार होने से यात्रियों का यात्रा समय कम होगा और यात्रा आसान हो जाएगी।

दिल्ली की इन सड़कों पर होगा काम - मार्जिनल बांध मार्ग (आईटीओ चुंगी से एन.एच-24 तक), डॉ. कुंदन लाल मार्ग, राजौरी अपार्टमेंट रोड, हाउस नंबर 14/35 से 13/101 सुभाष नगर, डीए-1 हरी नगर से डीबी-1 हरी नगर, शांति देवी मार्ग,अयोध्या प्रसाद चोपड़ा मार्ग, बीए-बीबी ब्लॉक रोड, रोड़ संख्या 32 से 17/117 सुभाष नगर, प्रेम नगर गुरुद्वारा रोड, शहीद मंगल पाण्डेय मार्ग और भाई कन्हैया मार्ग (आईटीआई रोड) शामिल है।

गृह मंत्रालय के आदेशों पर एनडीएमसी चेयरमैन का ट्रांसफर, बीएस भल्ला को सौंपी कमान

नई दिल्ली। दिल्ली के नए उपराज्यपाल और नए चीफ सेक्रेटरी की नियुक्ति के बाद अब नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के नए चेयरमैन की नियुक्ति की गई है। पालिका परिषद् के चेयरमैन के रूप में दिल्ली सरकार में एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (होम) व 1990 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी बीएस भल्ला को बनाया गया। इसबारे में गृह मंत्रालय की ओर शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए गए हैं। तुरंत प्रभाव से पद संभालने के आदेश भी दिए गए हैं। इस बीच हाल ही में दिल्ली नगर निगम के एकीकृत स्वरूप में आने के बाद कई बड़ी नियुक्तियां एमसीडी में की गई हैं। 1992 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी अश्विनी कुमार को स्पेशल ऑफिसर बनाया गया है, तब एसडीएमसी के कमिश्नर रहे 1998 बैच के एजीएमयूटी कैडर के सीनियर आईएएस अधिकारी ज्ञानेश

भारती को एकीकृत निगम का कमिश्नर नियुक्त किया जा चुका है। भल्ला के नियुक्ति संबंधी आदेश गृह मंत्रालय की ओर शुक्रवार को जारी किए गए हैं। दरअसल, गृह मंत्रालय के आदेशों पर दिल्ली सरकार के कई सीनियर आईएएस अधिकारियों का अन्य राज्यों में ट्रांसफर किया गया था। कई अधिकारी अपनी नई ज्वाइनिंग कर चुके हैं। कई अधिकारियों को किया जाना बाकी है। एनडीएमसी के चेयरमैन धर्मेन्द्र का भी ट्रांसफर किया जा चुका है। उन्हें अरूणाचल प्रदेश का नया चीफ सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में गृह मंत्रालय की ओर से 19 अप्रैल को ट्रांसफर/पोस्टिंग आर्डर जारी किए गए थे। लेकिन अभी वह अपनी नई ज्वाइनिंग नहीं कर सके थे। लेकिन अब एनडीएमसी के नए चेयरमैन के रूप में भल्ला को नियुक्त गया है। निवर्तमान चेयरमैन धर्मेंद्र को भी विभाग से आज तुरंत प्रभाव से रिलीव कर दिया गया है।

रक्षा मंत्री ने पनडुब्बी 'आईएनएस खंडेरी' से की चार घंटे समुद्र के अन्दर यात्रा

-स्टील्थ पनडुब्बी का पानी के भीतर संचालन की क्षमताओं का किया गया प्रदर्शन

-राजनाथ सिंह बोले, नौसेना की तैयारियां किसी आक्रमण को उकसाने वाली नहीं

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को 'आईएनएस खंडेरी' पनडुब्बी में सवार हुए और समुद्र के अन्दर चार घंटे यात्रा की। उनके साथ भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने ट्वीट किया कि आज 'आईएनएस खंडेरी' की मेरी समुद्री यात्रा के दौरान एक अद्भुत और रोमांचकारी अनुभव रहा। समुद्र के नीचे घंटों बिताए और अत्याधुनिक कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी की लड़ाकू क्षमताओं और आक्रामक ताकत को देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कारवार नौसेना बेस की दो दिवसीय यात्रा पर कर्नाटक गए हैं। अपनी यात्रा के दूसरे दिन आज राजनाथ सिंह भारतीय नौसेना की सबसे शक्तिशाली पनडुब्बी 'आईएनएस खंडेरी' में सवार हुए और भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार के साथ समुद्र के अन्दर की यात्रा की। रक्षा मंत्री को अत्याधुनिक कलवरी श्रेणी की इस पनडुब्बी की लड़ाकू क्षमताओं और आक्रामक ताकत के बारे में जानकारी दी गई। उनके सामने चार घंटे से अधिक समय तक स्टील्थ पनडुब्बी के पानी के भीतर संचालन की क्षमताओं के पूर्ण स्पेक्ट्रम का प्रदर्शन किया गया। पनडुब्बी रोधी मिशन और ऑपरेशनल सॉर्टी के साथ पश्चिमी बेड़े के जहाजों की तैनाती की गई थी। इसके अलावा समुद्री टोही विमान पी-8आई, सी किंग हेलीकॉप्टर, मिग

29-के लड़ाकू विमानों ने फ्लाई पास्ट किया। रक्षा मंत्री ने पनडुब्बी के चालक दल के साथ भी बातचीत करके चुनौतीपूर्ण माहौल में संचालन करने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने समुद्री क्षेत्र में किसी भी खतरे से निपटने के लिए उच्च स्तर की तत्परता और आक्रामक क्षमता बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना की प्रशंसा की। रक्षा मंत्री ने कहा कि सितंबर, 2019 में आईएनएस विक्रमादित्य को शुरू करने और इस महीने की शुरूआत में लंबी दूरी के समुद्री टोही पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान पी-ढ8आई पर उड़ान भरने के बाद अब भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी युद्ध क्षमता को पहली बार देखा है। रक्षा मंत्री ने 'आईएनएस खंडेरी' को देश की 'मेक इन इंडिया' क्षमताओं का एक चमकदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के ऑर्डर पर 41 जहाजों और पनडुब्बियों में से 39 का निर्माण भारतीय शिपयार्ड में किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने उन्नत सेंसर सूट, युद्ध प्रणाली और हथियार क्षमता का प्रदर्शन करते हुए पनडुब्बी के साथ परिचालन अभ्यासों की एक विस्तृत श्रृंखला देखी। उन्हें दुश्मन के पनडुब्बी रोधी अभियानों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने की एक झलक भी दिखाई गई। समुद्री यात्रा के बाद मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारतीय नौसेना को दुनिया की अग्रिम पंक्ति की नौसेनाओं में गिना जाता है। आज दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री ताकतें भारत के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारतीय नौसेना की तैयारियां किसी भी आक्रमण के लिए उकसाना नहीं है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की गारंटी है। दो दिवसीय दौरे के पहले दिन 26 मई को रक्षा मंत्री ने कर्नाटक नौसेना क्षेत्र के रक्षा कर्मियों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की। उनका स्वागत नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार, पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर और कर्नाटक नौसेना क्षेत्र (एफओके) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल अतुल आनंद ने किया। रक्षामंत्री ने दौरे के दूसरे दिन आज सुबह कर्नाटक नेवल एरिया बीच, कारवार पर नौसैन्य कर्मियों के साथ योगाभ्यास किया।

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 2

सम्पादकीय

मोदी की कथनी और करनी में गजब की समानता

जब कोई व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्म पथ पर अग्रसर होता है तो विश्व समुदाय उसका अनुगामी हो जाता है। इस दायरे में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रखा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसा लगता है कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में ऐसी पहली सरकार बनी है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। इसके विपरीत पूर्ववर्ती सरकारों के दामन पर भ्रष्टाचार के अनेक दाग लगे। भारत की जनता ने इस बात की उम्मीद छोड़ दी थी कि भारत में भ्रष्टाचार कभी समाप्त होगा, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार ने इस धारणा को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसी बड़ी लकीर खींचने का अहर्निश साहस दिखा रहे हैं, जिसकी देश को दशकों से आवश्यकता थी। वर्षों तक विदेशों के समकक्ष दायित्व वालों के पीछे रहने वाला भारत आज उनके साथ गौरव के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। जो कहीं न कहीं भारत की शक्ति को प्रकट कर रहा है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं पत्थर पर लकीर खींचता हूं, मक्खन पर नहीं। यह पंक्ति भले ही एक कहावत के तौर पर प्रचलित है, लेकिन इसके भावार्थ बहुत ही गहरे हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने जो कार्य किए हैं, वह आज मील के पत्थर के तौर पर स्थापित हुए हैं। वह चाहे तीन तलाक का मामला हो या फिर जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के हटाने का मामला ही क्यों न हो, राजनीतिक दलों ने देश का जनमानस ऐसा बना दिया था कि इसके बारे में बात करने से भी पसीने छूट जाते थे। इतना ही नहीं जो राजनीतिक दल इसका राजनीतिक और आर्थिक लाभ उठा रहे थे, उन्होंने भी देश में इस प्रकार का डर का वातावरण पैदा किया कि धारा 370 को हटाने के बाद देश में गृह युद्ध के हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन यह केवल बातें निरर्थक सिद्ध हुईं। कौन नहीं जानता कि जम्मू कश्मीर में राजनीति करने वाले फारुक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती ने किस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल किया। उनकी वाणी से हमेशा यही प्रतीत होता था कि वह पाकिस्तान परस्ती की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा था कि कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। महबूबा को पता होना चाहिए कि तिरंगा इस देश की आन बान और शान का प्रतीक है। इसके बारे में इस प्रकार की धारणा रखना, निश्चित ही देश भाव के साथ भद्दा मजाक है। अब जम्मू कश्मीर में स्थितियां तेजी से बदल रही हैं। यह मोदी सरकार की एक बड़ी लकीर के रूप में प्रमाणित हो रहा है। इसी प्रकार लम्बे समय से निर्णय की प्रतीक्षा करते हुए राममंदिर का मामला भी मोदी कार्यकाल में सुखद परिणाम देने वाला रहा। वास्तव में इस मामले का हल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निकाला गया लेकिन इसका श्रेय मोदी सरकार के कार्यकाल को भी दिया जा सकता है। यह पत्थर पर लकीर खींचने जैसे ही कहे जा सकते हैं। इसी कारण देश की जनता उनके इन साहसिक निर्णयों के साथ जुड़ती जा रही है। जबकि विपक्षी राजनीतिक दलों की कार्य संस्कृति के चलते जनता इतनी दूर हो गई है कि उनको अपना भविष्य बचाने के लिए राजनीतिक चिंतन और मंथन की आवश्यकता होने लगी है। हम जानते हैं कि अभी हाल ही में कांग्रेस ने राजस्थान के उदयपुर में चिंतन किया, जो वास्तव में ढाक के तीन पात वाला ही सिद्ध हुआ। यह वास्तविकता है कि कांग्रेस ने जिस प्रकार से मुस्लिम और ईसाई तुष्टिकरण का कार्य किया, उसके कारण निश्चित ही देश का राष्ट्रीय भाव के साथ विचार करने वाला बहुसंख्यक समाज उससे दूर होता चला गया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में सबका साथ और सबका विकास वाली अवधारणा दिखाई देती है। अब तो केन्द्र सरकार ने अंत्योदय की अवधारणा पर कदम बढ़ाते हुए सबका विश्वास अर्जित करने का साहसिक प्रयास करने की ओर कदम बढ़ा दिया है, जिसके परिणाम भी अच्छे आएंगे, यह पूरा विश्वास भी है। आज देश के विपक्षी राजनीतिक दल मोदी सरकार की कार्यशैली से इसलिए भी भयभीत से दिखाई देते हैं, क्योंकि दोनों की कार्यशैली में जमीन आसमान का अंतर है। जहां एक ओर देश की जनता मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा को पसंद कर रही है, वहीं कांग्रेस की भाषा को सुनकर दूर होती जा रही है। आज कांग्रेस की जो स्थिति दिखाई देती है, उसके लिए स्वयं कांग्रेस जिम्मेदार है, क्योंकि देश की जनता कांग्रेस के कार्यों से त्रस्त हो चुकी थी। जनता को साहस के साथ निर्णय लेने वाला दमदार नेतृत्व देने वाले नायक की आवश्यकता महसूस हो रही थी, मोदी में यह सब दिखाई दिया। इसके साथ ही जनता ने देश की बागडोर मोदी के हाथों में सौंप दी।

सत्ता के लिए बेचैन होती कांग्रेस

लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी /ईएमएस

भारतीय राजनीति कब किस समय कौन सी करवट बैठेगी, यह कोई भी विशेषज्ञ अनुमान नहीं लगा सकता। अगर इसका अनुमान लगाएगा भी तो संभव है कि उसका यह अनुमान भी पूरी तरह से गलत प्रमाणित हो जाए। हमारे देश में लम्बे समय तक सत्ता पक्ष की राजनीति करने वालों राजनेताओं के लिए यह समय वास्तव में ही अवसान काल को ही इंगित कर रहा है, अवसान इसलिए, क्योंकि उनके पास अपने स्वयं के शासनकाल की कोई उपलब्धि नहीं है। अगर उनका शासन करने का तरीका सही होता तो संभवतः उन्हें इस प्रकार की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। कांग्रेस आज भले ही अपनी गलतियों के कारण उत्पन्न हुई स्थितियों को वर्तमान सरकार पर थोपने का काम करे, परंतु इस बात को कांग्रेस भी जानती है कि वह केन्द्र सरकार का विरोध न करे तो उसके पास राजनीति करने के लिए कुछ भी नहीं है। आज देश में जो समस्या दिखाई दे रही है, कांग्रेस उसे ऐसा प्रचारित करती है, जैसे यह सारी समस्याएं मोदी के शासनकाल में ही आई हैं। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद देश में सबसे ज्यादा शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी की इतनी दयनीय स्थिति क्यों बनी, इसका अध्ययन किया जाए तो यही सामने आता है कि इस स्थिति के लिए कांग्रेस के नेता ही जिम्मेदार हैं। कांग्रेस ने प्रारंभ से ही विविधता में एकता के सूत्र को स्थापित करने वाली परंपरा पर राजनीतिक प्रहार किया, एक प्रकार से कहा जाए तो कांग्रेस ने विविधता को छिन्न भिन्न करने की राजनीतिक चाल खेली। अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की सीमाओं को लांघते हुए कांग्रेस ने हिन्दू आस्था पर घातक प्रहार करने का षड्यंत्र किया। इसमें कांग्रेस के साथ वामपंथियों ने कदम से कदम मिलाकर सहयोग किया। यही चाल वह आज भी खेलती हुई दिखाई दे रही है। समाज में विभाजन की खाई को पैदा करने वाले राजनीतिक दल भले ही इस नीति पर चलकर शासन करते रहे, लेकिन देश की जो तस्वीर बनी, वह बहुत ही कमजोर चित्र को दर्शा रही है। इसमें समुदाओं के लिए बनाए गए पर्सनल कानून आग में घी डालने जैसा ही काम कर रहे हैं। अगर यह पर्सनल कानून की अवधारणा देश में नहीं होती तो स्वाभाविक रूप से समाज के बीच दरार पैदा नहीं होती। आज देश के लिए आवश्यक यह है कि समान नागरिक संहिता लागू की जाए। गांधी की विरासत को गले से लगाने वाली कांग्रेस आज उन्हीं के सिद्धांतों से भटकती हुई दिखाई दे रही है। गांधी जी ने कहा था कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करुंगा, जिसमें कहीं भी ऊंचनीच का भाव नहीं हो, साम्प्रदायिकता का अभाव हो, गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध हो और शराब बंदी हो। लेकिन आज हम क्या देखते हैं कांग्रेस ने गांधी के सिद्धांतों को निर्मूल साबित कर दिया। आज की कांग्रेस ने समाज को वर्गों में बांटकर राजनीति की, इससे समाज में ऊंचनीच का भाव पैदा हुआ, इसी प्रकार केरल में कुछ वर्ष पूर्व कांग्रेस कार्यकताओं ने सरेआम गौहत्या की, वह हमने प्रत्यक्ष रुप से देखा। हालांकि बाद में भले ही कांग्रेस ने गौहत्या करने वाले कांग्रेस नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया। सबसे बड़ी बात यही है कि कांग्रेस दिखावे की राजनीति करती है, मन में कुछ और ही चल रहा होता है। इसी प्रकार हम यह भी जानते हैं कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाओं को तोड़ते हुए यहां तक कह दिया कि देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। कांग्रेस की यह राजनीति सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली नहीं तो और क्या कही जाएगी? कांग्रेस के शासन काल में भगवान राम द्वारा बनाए गए रामसेतु को तोड़ने का भरसक प्रयास किया, सरकार की ओर से न्यायालय में दिए गए शपथ पत्र में कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि भगवान राम एक काल्पनिक पात्र हैं, वे तो पैदा ही नहीं हुए थे। इस प्रकार की सोच रखने वाली कांग्रेस को भारत विरोधी कहना न्याय संगत ही कहा जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तो कई बार उपहास का पात्र बनते हुए पूरे भारत वर्ष ने देखा है, लेकिन अब कांग्रेस भी अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उपहास का पात्र बनती जा रही है। समाज की नजरों से बहुत दूर जा चुकी कांग्रेस अपने आपको जनहितैषी साबित करने के लिए दम खम से प्रयास कर रही है, लेकिन यह दिखावे की राजनीति ही उसकी पोल खोलने का काम भी कर रही है। इससे यह साबित होता है कि कांग्रेस के नेता जो दिखाते हैं, सत्यता उससे बहुत दूर है। अभी हाल ही में कांग्रेस का चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं के भिन्न प्रकार के स्वर मुखरित हुए, जिसके कारण कुछ नेताओं को संतुष्ट करने के लिए इसी प्रकार का दूसरा लघु चिंतन शिविर फिर से आयोजित करने की स्थिति बनी। देश से लगातार सिमटती जा रही कांग्रेस के बारे में यही कहना समुचित होगा कि आज वह छटपटा रही है। सत्ता प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है, लेकिन उनके यह प्रयत्न सकारात्मक न होकर नकारात्मक ही कहे जाएंगे। कांग्रेस ने जितने वर्षों तक देश में शासन किया, उतने वर्षों में अगर ईमानदारी से इस वंचित समाज को आगे लाने का काम किया होता तो आज समाज में असमानता नहीं होती। इसके विपरीत वर्तमान नरेन्द्र मोदी की सरकार ने प्रारंभ से ही कहा है कि उनकी सरकार सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर काम करने वाली सरकार है। उनकी सरकार में किसी का भी तुष्टिकरण नहीं किया जाएगा। ऐसा हो भी रहा है, लेकिन विरोधी पक्ष के राजनीतिक दल केवल इसलिए ही मोदी सरकार का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि केन्द्र सरकार अगर सबका विकास कर देगी तो फिर राजनीति कैसे होगी? विरोधी दल के नेता केवल इतना ही सोचकर वर्तमान केन्द्र सरकार को घेर रहे हैं, जबकि यह कमजोरी पूरी तरह से पहले की सरकारों की देन है। ऐसी राजनीति करना ठीक नहीं है। देश में कांग्रेस की नीति पर चलने के लिए अन्य राजनीतिक दल भी आतुर दिखाई दे रहे हैं। उसमें बहुजन समाज पार्टी की मायावती तो धनवान होने के बाद भी अपने आपको वंचित समाज का हितैषी मानने का दिखावा कर रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि मायावती समय के अनुसार ही राजनीति करती हैं, इसमें उनकी पार्टी का कोई सिद्धांत नहीं है। विरोधी दलों के लिए सबसे बड़ी परेशानी की बात यह है कि उन्हें वर्तमान सरकार में कोई खामी दिखाई नहीं दे रही, इसलिए स्वयं मुद्दे खड़ा करके केन्द्र सरकार पर आरोपित करने की राजनीति ही की जा रही है। ऐसी राजनीति देश के स्वास्थ्य के लिए कतई ठीक नहीं कही जा सकती, ऐसी राजनीति से बचना ही चाहिए।

आज का कार्टून।

चर्चा में गन कल्चर

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

टेक्सास में 18 साल एक युवक ने एके-47 से अपनी दादी को गोली मारी। फिर स्कूल पहुंचकर अंधाधुंध फायरिंग की। अमेरिका को हिला देने वाली यह घटना 24 मई 2022 को हुई। 22 लोगों की मौत हो गई। इस घटना ने फिर से अमेरिका के गन कल्चर को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन अमेरिका में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। ऐसी घटनाओं से सीखने की अमेरिका का जो रिकॉर्ड है उससे लगता है कि शायद आखिरी भी न हो। 2022 अभी आधा भी नहीं बीता है। लेकिन अमेरिका में 144 दिन में सामूहिक गोलीबारी की 212 घटना हो चुकी है। ऐसी 27 घटना तो स्कूलों में भी हो चुकी है। अमेरिका में इस तरह की घटनाओं के पीछे सबसे बड़ा कारण वहां का गन एक्ट है। अमेरिका में गन कल्चर का संबंध वहां के संविधान से जुड़ा है। इस देश में बंदूक रखने का कानूनी आधार संविधान के दूसरे संशोधन में निहित है। इसलिए बहुत आसानी से हथियारों की खरीदारी की जा सकती है। द गन कंट्रोल एक्ट 1968 के मुताबिक, राइफल या कोई भी छोटा हथियार खरीदने के लिए उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। दूसरे हथियार जैसे हैंडगन खरीदने के लिए 21 साल की उम्र होनी चाहिए। आज 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में आम नागरिकों के पास 39 करोड़ हथियार हैं।

गन कल्चर के कारण अमेरिका में हिंसा पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चुनाव के दौरान गन कल्चर पर रोक का वादा किया था, लेकिन इस पर अब तक कोई पहल नहीं की जा सकी है। अमेरिका में 2021 में 693 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुईं। 2020 में 611 जगह गोलीबारी हुई तो 2019 में 417 जगहों पर ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया गया। आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में अमेरिका के स्कूलों में गोलीबारी की 34 घटनाएं सामने आईं। 2020 में 10 स्कूलों तो 2018 व 2019 में 24-24 घटनाएं सामने आई थी। अमेरिका 1783 को ब्रिटेन से आजाद हुआ था। बंदूक की जोर पर अमेरिका को स्वतंत्रता मिली थी। इसके बाद अमेरिका में संविधान बना। फिर साल 1791 में संविधान में दूसरा संशोधन लागू हुआ और उसी के तहत अमेरिकी नागरिकों को हथियार रखने के अधिकार मिल गया। अमेरिकी लोग सब्जी भाजी की तरह गन बाजार से खरीद सकते थे लेकिन इसकी कीमत अमेरिका चुका रहा है। सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक, हर साल औसतन 12 हजार मौतें बंदूकों से होती हैं। अमेरिका में 66 फीसदी लोगों के पास एक से अधिक बंदूकें मौजूद हैं। दुनिया भर में आम लोगों के पास जितनी बंदूकें हैं उनका 48 फीसदी केवल अमेरिकियों के पास हैं। हथियारों की बिक्री से अमेरिका की आर्म इंडस्ट्री को हर साल 91 हजार करोड़ की कमाई होती है। 2.65 लाख लोग अकेले अमेरिकी आर्म इंडस्ट्रीज से ही जुड़े हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में केवल हथियारों की बिक्री से ही 90 हजार करोड़ रुपए आते हैं। अमेरिका में करीब 31 करोड़ हथियार, हर साल एक करोड़ से ज्यादा पिस्टल जैसे हथियारों का निर्माण होता है। आजादी के करीब 239 साल के बाद भी आज भी अमेरिका इस कानून को बदल नहीं पाया है। अमेरिका में गन कल्चर भले ही वहां के युवाओं को प्रभावित करती हो, लेकिन इसकी कीमत भी समय-समय पर अमेरिकी लोगों को चुकानी पड़ती है। लाखों आम लोगों के साथ-साथ अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपति की हत्या के पीछे भी कहीं न कहीं गन कल्चर का ही हाथ हैं। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन और राष्ट्रपति जेम्स ए गारफील्ड की हत्या भी बंदूक से ही की गई थी। आज भले ही गन कल्चर अमेरिकी लाइफ का एक हिस्सा बन गया है लेकिन कई देश के अधिकांश लोग आज भी इस कल्चर के खुश नहीं हैं। अमेरिका में बंदूक रखना शौक है। हर घर में बंदूक होती है। जाहिर है, कभी-कभी बंदूकें बच्चों के हाथ लग जाती हैं। कई बार बच्चे खेल-खेल में खुद की या अपने भाई-बहन की जान ले लेते हैं।

धर्म का आदर

स्वामी श्रद्धानंद महर्षि दयानंद के योग्य शिष्य थे। उन्होंने शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए देश के कई हिस्सों में गुरुकुल कांगड़ी और अन्य संस्थाओं की स्थापना की थी। एक बार रुड़की चर्च के पादरी फादर विलियम ने स्वामी जी से पत्र लिखकर कहा- स्वामी जी, मुझे लगता है कि अगर मैं हिंदी सीख लूं तो शायद भारत में मैं अपने धर्म का प्रचार बेहतर ढंग से कर पाऊंगा। क्या इसके लिए आप मुझे अपने गुरुकुल में प्रवेश दे सकते हैं? मैं वादा करता हूं कि अपने अध्ययन के दौरान मैं ईसाई धर्म की चर्चा नहीं करूंगा और उसके प्रचार की कोई कोशिश नहीं करूंगा। स्वामी जी ने पत्र के जवाब में लिखा- फादर, गुरुकुल कांगड़ी में आपका खुले दिल से स्वागत है। आप यहां अतिथि बनकर हमारी सेवाएं ले सकते हैं। मगर आपको एक वचन देना होगा। जब तक आप यहां रहेंगे तब तक आप अपने धर्म का खुलकर प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि हमारे छात्र भी ईसा मसीह के उपदेशों को समझ सकें और उन्हें ग्रहण कर सकें। मैं चाहता हूं कि हमारे छात्र धर्मों का आदर करना सीखें। धर्म प्रेम सिखाता है बैर नहीं। हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है कि वह अपने अलावा दूसरे धर्मों को भी जाने। अधिक से अधिक धर्मों के विषय में जानकर हम एक अच्छे इंसान बन सकते हैं। स्वामी जी का यह जवाब पढ़कर फादर अभिभूत हो गए। वे जब तक गुरुकुल में रहे, छात्रों को ईसाई धर्म के बारे में बताते रहे। यहां रहकर भारतीयों को लेकर उनकी कई धारणाएं बदल गईं। वे जीवन भर गुरुकुल के लिए कार्य करते रहे।

शेयर बाजारों की सट्टेबाजी से वैश्विक आर्थिक संकट

लेखक- सनत कुमार जैन (ईएमएस)

वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के सभी देशों की आर्थिक विकास की दर कई गुना बढ़ा दी थी। 2003 के बाद भारतीय शेयर बाजार सहित दुनिया भर के शेयर बाजार कर्ज एवं विकास के अर्थ व्यवस्था की उड़ान भरकर हवा - हवाई हो गए थे। कारपोरेट जगत ने वित्तीय संस्थानों से बड़े पैमाने पर कर्ज लिये। हवा - हवाई योजनाएं बनाई। सरकारों ने भी शेयर बाजार के जरिये शेयरों की खरीद बिक्री में सट्टेबाजी के जरिए कारपोरेट जगत को आसानी से पूंजी उपलब्ध कराना शुरू कर दिया। शेयर बाजार में 10 रुपये अथवा 100 रुपये के शेयर मूल्य पर सैकड़ों रुपये के प्रीमियम के साथ कंपनियों में निवेश करने की नई व्यवस्था शुरू हुई। शेयर बाजार को जीडीपी से जोड़कर वास्तविक विकास की वृद्धि का स्थान शेयर बाजारों की सट्टेबाजी ने ले लिया। इसमें आर्थिक विकास कागजों पर बड़ी तेजी के साथ बढ़ा।

सरकारें भी शामिल : आर्थिक विकास की होड़ में विभिन्न देशों की सरकारें, बैंक, वित्तीय संस्थान भी शामिल हो गए। म्यचुअल फंड पेंशन फंड , प्रोबिडेंट फंड, इक्वटी फंड इत्यादि की पूंजी भी शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत को आसानी से उपलब्ध होने लगी। एक दशक पूर्व वैश्विक स्तर पर गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों का निवेश 30 ट्रिलियन डालर का था। जो वर्तमान में बढकर 63 ट्रिलियन डालर से उपर पंहुच गया है। 2008 में अमेरिका की आर्थिक मंदी में सैकड़ों बैंक एवं वित्तीय संस्थायें दिवालिया हो गई थी। उसके बाद शेयर बाजार के माध्यम से कारपोरेट जगत में तेजी के साथ निवेश बढ़ा। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत से जुड़े कारोबारियों ने अरबों - खरबों रुपये कमाये। शेयर बाजार के जरिये कारपोरेट जगत में जो बहार आई थी। वह कृत्रिम तेजी थी, जिसका वास्तविक्ता से कोई लेना-देना नहीं था। अब वह कर्ज के बोझ से दबकर दिवालिया होने की कगार पर पंहुच गई है। भारत जैसे देश में पिछले 8 वर्षों में हजारों कंपनियां कर्ज के बोझ से दबकर बंद हो गई।

बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं का लाखों करोड़ रुपया कंपनियों और कारपोरेट जगत में फंस गया। सरकार और बैंकों ने मिलकर लगभग 8 लाख करोड़ रुपयों की देनदारी को राईट -ऑफ कर अपनी बेलेंसशीट सुधारने का प्रयास किया।

इसके बाद भी समस्या खत्म होने के स्थान पर केंसर की बीमारी की तरह आपरेशन के बाद और तेजी से बढ़ रही है। सैंकड़ों कम्पनियों ने अभिकरण में दिवालिया होने के लिए आवेदन कर रखे हैं। जिन कंपनियों ने दिवालिया कानून के तहत आवेदन किया है। उन कम्पनियों से 25 फीसदी राशि भी वसूल नहीं हो पा रही है। एनपीए बढ़कर 8.34 लाख करोड़ से ऊपर हो चुका है। दुनिया के सभी देश कर्ज के संकट में फंस चुके हैं। वैश्विक व्यवस्था में जीडीपी का 24 फीसदी ऋण वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से सरकारों को मिल जाता है। दुनिया के 69 देश अधिकतम सीमा का ऋण ले चुके है। भारत भी कुल जीडीपी का लगभग 20 फीसदी कर्ज ले चुका है। कर्ज के बोझ से दबी सरकारों को कर्ज की अदायगी, मंहगाई, बेरोजगारी तथा कोविड के बाद खाद्यान्न, कर्ज के संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई देशों के पास आयात करने के लिये विदेशी मुद्रा नहीं है। रूस पर आर्थिक प्रतिबंध तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद आयात- निर्यात का संतुलन विकासशील एवं विकसित देशों का बिगड़ चुका है। जिसके कारण दर्जनों देशों में बगावत तथा गृह युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। खाद्यान्न एवं कर्ज संकट का सामना दुनिया के 70 से अधिक देश कर रहे हैं। जिसके कारण दुनिया के अधिकांश देशों में अराजकता की स्थिति पैदा हो गई है।

शेयर बाजार की गिरावट से वित्तीय संस्थान होंगे दिवालिया

शेयर बाजरों के जरिये कारपोरेट जगत में किया गया निवेश बड़ी तेजी से गिर रहा है। आर्थिक मंदी और बदहाली की स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट से कारपोरेट जगत की कंपनियों की पूंजी को भारी नुकसान होगा। इस स्थिति में वित्तीय संस्थानो और निवेशकों की पूंजी डूबने का खतरा भी पैदा हो गया है। कर्ज अदायगी समय पर ना होने से वैश्विक अर्थ-व्यवस्था संकट के चरम पर पहुंच गई है। खाद्यान्न और अर्थ व्यवस्था के इस संकट में तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका बलवती हो रही है। भूख एक बार फिर पूंजीवाद के खिलाफ लड़ने के लिए सड़कों पर उतर रही है। राजनैतिक एवं सामाजिक व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे विकासशील एवं विकसित देशों में अराजकता की स्थिति बन गई है।

प्रसंगतः गुरु सेर, चेला सवा सेर

एक पाठशाला के गुरूजी अपने आलस्य के लिए इतने मशहूर थे कि कोई भी अपना बच्चा उनके पास नहीं भेजना चाहता था। लेकिन एक दिन एक पिता अपने लड़के को पढ़ाने के लिए आलसी गुरूजी के पास लाए। पिता ने पुत्र को गुरूजी को सौंपते हुए कहा- इसे इच्छे तरीके से पढ़ाना। अच्छी बात है- आलसी गुरूजी ने चिढ़कर कहा। आलस गुरूजी को यह अच्छा नहीं लग रहा था कि काम करना पड़ेगा। फिर भी वे बोले- तुम मुझसे ही पढ़ना चाहते हो तो जाए, अपने लिए एक मेज ले आओ। किसलिए? लड़के ने पूछा। उसके ऊपर पान के पत्ते रखने हैं न और अपने गुरूदेव की प्रार्थना करनी है। यह मेरी पाठशाला का कायदा है। अपना सर खुजाते हुए नए शिष्य ने कहा- तो मैं घुटनों और पंजों के बल खड़ा हो जाता हूं। मेरी पीठ पर पान के पत्ते रखे जा सकते हैं। इस तरह हम दोनों मेहनत से बच जाएंगे। यह सुन कर गुरूजी शिष्य के चरणों पर गिर पड़े और बोले- शाबाश, बेटो! तुमको मुझसे कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। मुझको जो विद्या सबसे अच्छी आती हैं, वह है काम करने से बचना। इसमें तुम तो मेरे भी गुरू है।

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 3

मांगों को लेकर युवाओं ने गन्नौर में निकाला जुलूस

-एसडीएम सुरेंद्र दुहन को ज्ञापन सौंपा

सोनीपत, (हि.स.)। सीईटी परीक्षा की तारीख जल्द फाइनल करने, शिक्षा को टैक्स फ्री करने, शिक्षा सरकार की जिम्मेदारी है कर्ज नहीं सहायता दो इन तीन मांगों को लेकर युवा ने गन्नौर प्रदर्शन किया जुलूस निकाला और इसके साथ एसडीएम सुरेंद्र दुहन को ज्ञापन सौंपा। कुलदीप के नेतृत्व में युवा ने कहा कि रोजगार हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। हरियाणा में लंबे समय से लटकी हुई पुलिस की भर्ती 2018- 2019 में निकली थी पुलिस के नव चयनित सदस्यों को नियुक्ति दी जाए। दूसरा विषय सीईटी के पेपर दो साल से नहीं करवाए गए। ग्राम सचिव कैनल पटवारी आदि भर्ती जो कि 2018-19 में घोषित हुई थी अब तक उनको पूरा नहीं किया जा सका है। बिना खर्ची बिना पर्ची के नारे से प्रसिद्ध पाने वाली सरकार इस बार अपनी छवि बचाने में नाकाम रही है। पेपर लीक हुआ पेपर ऐसे हालात में कई युवा आत्महत्या कर चुके हैं। तीसरा विषय है जो कि भविष्य की शिक्षा की दिशा को प्रभावित करेगा नई शिक्षा नीति में जो स्वायत्त सफल बनाने की अवधारणा है वह बिल्कुल गलत है। अगर शिक्षण संस्थान स्वायत्त हुए तो शिक्षा और अमीर आदमी का विशेषाधिकार हो जाएगा और आम भारतीय इससे दूर हो जाएगा। कम से कम सरकार को शिक्षा हर प्रकार से टैक्स मुक्त करे। टैक्स लगने से शिक्षा महंगी होती जा रही है। सरकार ने बिना खर्ची बिना पर्ची जैसी असंभव सी दिखने वाली योजना को जब लागू किया तो परीक्षाओं में गड़बड़ कर गलत तरीके से भर्ती करवाने वालों को भरी पकड़े।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं शिक्षित देश समृद्ध देश: निशांत छौक्कर

-छात्रों को वितरित टूलकिट सरकार का 14 हजार रुपये का खर्च

सोनीपत, (हि.स.)। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी गुज्जर गन्नौर में भाजपा सोनीपत उपाध्यक्ष निशांत छौक्कर ने शुक्रवार को समग्र शिक्षा के अंतर्गत मेडिकल उपकरणों की टूल किट छात्रों को वितीत की इनके साथ प्राचार्य शमशेर सिंह उपस्थित रहे। बतौर मुख्य अतिथि निशांत छौक्कर ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं शिक्षित देश समृद्ध देश इसीक लेकर ढांचागत सुविधाएं देना सरकारी स्कूल छात्राओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों पर शिक्षात करना और और विश्व में अपनी युवा पीढी को बेहतर मुकाम दिलाना है। इसीको लेकर यह टूल किट दी गई है। एक टूलकिट पर सरकार का 14 हजार रुपये का खर्च आता है इसलिए इसका सदुपयोग करें। अपने बेहतर भविष्य को बनाने के लिए शिक्षित होंगे और जीवन सत्र को बेहतर बनाएं। समारोह के आरंभ में मनोज शास्त्री ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया एसएमसी कमेटी से प्रधान जगदीश तथा वोकेशनल अध्यापिका शशि बाला व ज्योति और अन्य स्टाफ सदस्यों में ग्रामीणों ने समारोह में भाग लिया।

कुनाल में हड़प्पाकालीन जगह में बनेगा म्यूजियम

-हरियाणा सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन ने गांव कुनाल में हड़प्पा कालीन स्थल का दौरा किया

फतेहाबाद, (हि.स.)। हरियाणा सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने शुक्रवार को गांव कुनाल में हड़प्पा कालीन स्थल का दौरा कर वहां की जानकारी ली। उन्होंने साइट का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि गांव कुनाल ने भारतीय उपमहाद्वीप में आरंभिक हड़प्पा सभ्यता के अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सबसे पहले साल 1985 में खुदाई का काम शुरू किया गया था। डिप्टी चेयरमैन धूमन सिंह किरमच ने कहा कि सरस्वती सिंधु घाटी यहां से गुजरती थी जिसके ऊपर प्रा हड़प्पा कालिन गांव बसा हुआ था। उन्होंने कहा कि इस हड़प्पाकालीन जगह पर बहुत सुंदर म्यूजियम बनाया जाएगा, जिसका जल्द ही काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि साइन बोर्ड दोनों तरफ लगाए जाएंगे ताकि लोगों को आसानी से यहा तक पहुंचने में पता लग जाएं क्योंकि यह हमारी बहुत पुरानी विरासत है। उन्होंने कहा कि अगले दौर की खुदाई नवंबर माह में शुरू कर ली जाएगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का निरंतर प्रयास है कि जितनी साइट है वो सब के सामने आनी चाहिए जितनी इस तरह की संस्कृति है उसे उजागर करना चाहिए। इसके प्राचीन चरणों पर भविष्य में अनुसंधान के नए द्वार खुलेंगे। कुनाल एक हड़प्पा कालीन स्थल है इसलिए अब पूर्व हड़प्पा कालीन ऐतिहासिक चीजों की तलाश रहेगी, जिससे उस काल के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाई जा सके। इस दौरान उप निदेशक डॉ. बुनानी भट्टाचार्य, शहरी मंडल अध्यक्ष सुखविंद्र गोयल, कालूराम ओड, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित सिंगला, मंडल महामंत्री पवन गर्ग, जगदीश खुराना, एसी मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सतनाम सिंह, लक्ष्मण सिंह, रितेश कुमार, रिंकि मोंगा, दरबार सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य सब को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देना: सांसद रमेश कौशिक

सोनीपत। सांसद रमेश कौशिक ने शुक्रवार को पीएचसी भठगांव की नवनिर्मित इमारत जनता को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का एक ही प्रमुख लक्ष्य है कि देश के सभी नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिले। उनके साथ उपायुक्त ललित सिवाच भी मौजूद रहे। सीएमओ डॉ. जयकिशोर तथा डॉ. गीता दहिया सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम व ग्रामीण उपस्थित रहे। सांसद कौशिक ने कहा कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार ने स्वास्थ्य संबंधित जो योजनाएं बनाई हैं इसके द्वारा गरीब से गरीब व्यक्ति को भी मुफ्त में ईलाज हो सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों के ईलाज के लिए चिंतित रहते हैं। सालाना आय एक लाख 80 हजार से कम है उन लोगों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा गोल्डन कार्ड बनाए गए हैं, पांच लाख रुपए तक देश के किसी भी सरकारी व पैनल पर आने वाले गैर-सरकारी अस्पतालों में अपना ईलाज करवा सकते हैं। प्रधानमंत्री मातृत्व योजना के तहत प्रत्येक गर्भवती महिला में बच्चे के जन्म पर 06 हजार रुपए की राशि दी रही है।

प्रशासन ने 350 परिवारों को भेजा घर खाली किए जाने का नोटिस

भिवानी, (हि.स.)। एक तरफ तो सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि मुहैया करवाकर लोगों को अपनी छत देने का दावा करती है, वही दूसरी तरफ प्रशासनिक अधिकारी ही लोगों को बेघर करने का नोटिस थमा रहे है। हाल ही में जिला प्रशासन ने गांव खानक पहाड़ के आस-पास रहने वाले करीबन 350 परिवारों को नोटिस भेजकर वह जगह खाली कर उन्हे बेघर किए जाने का फरमान सुनाया है, जिसके बाद शुक्रवार को गांव खानक के ग्रामीण उपायुक्त दरबार पहुंचे। उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर अन्यायपूर्ण इस फरमान को वापिस लेने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि वे मेहनत-मजदूरी करके दो वक्त की रोटी का जुगाड़ तो बड़ी मुश्किल से कर पाते है, ऐसे में दूसरे घर का बंदोबस्त कहां से करेंगे। उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने पहुंचे मा. विनोद सांगा, ग्रामीण, रमेश प्रजापति, नरेश, माईराम, उमेद सिंह, बाला देवी, संतोष, पूजा सहित अन्य ग्रामीणों ने कहा कि वे पिछले करीबन 30 वर्षो से गांव खानक की पहाड़ी के पास रह रहे है। इस दौरान उनमें से कोई मेहनत, मजदूरी कर तो कोई बेरोजगारी की मार झेलते हुए पहले ही आर्थिक संकट व भूखमरी के दौर से गुजर रहे है। ऐसे में प्रशासन ने उन्हे सात दिनों में उस जगह को खाली कर अन्य स्थान पर जाने का नोटिस थमा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उन्हे वहां रहने के लिए पक्की गलियां, स्ट्रीट लाईट सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं भी मुहैया करवाई गई, फिर भी प्रशासन उन्हे बेघर करना चाहता है, जो कि अन्यायपूर्ण रवैया है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त से नोटिस वापिस लिए जाने की मांग की, ताकि वे चैन से वहां रहकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें।

शहरी स्थानीय निकाय चुनाव के लिए नामांकन 30 मई से

-19 जून को सुबह 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा मतदान

फतेहाबाद, (हि.स.)। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के आम चुनाव जिला में भूना, रतिया, टोहाना व फतेहाबाद को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता सहित संपन्न करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 जून को मतदान होंगे और 22 जून को परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनावों की घोषणा के साथ ही नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में आदर्श आचार सहिंता लागू है। उपायुक्त प्रदीप कुमार ने बताया कि उम्मीदवारों द्वारा 30 मई से 4 जून तक केवल 2 जून (अवकाश होने के कारण) को छोड़कर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 6 जून को होगी। उम्मीदवारों द्वारा 7 जून, 2022 तक 11 बजे से 3 बजे तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। उसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह अलॉट किए जाएंगे। 19 जून को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होंगे। उन्होंने बताया कि पहले मतदान का समय शाम 5 बजे तक होता था, लेकिन इस बार गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदाताओं की सुविधा हेतू मतदान का समय एक घंटा बढ़ाया गया है। यदि आवश्यक हुआ तो पुनः मतदान 21 जून को करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नगर परिषद/कमेटी के अध्यक्ष एवं सदस्यों का चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों की खर्च सीमा संशोधित की गई है। नगर पालिका के अध्यक्ष के लिए चुनाव खर्च की सीमा 10.50 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो पहले 10 लाख रुपये थी। इसी तरह अध्यक्ष, नगर परिषद के चुनाव खर्च की सीमा 16 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जो पहले 15 लाख रुपये थी। इसी प्रकार, सदस्य नगर पालिका के लिए चुनाव खर्च की सीमा 2.25 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये तथा सदस्य नगर परिषद के लिए 3.30 लाख रुपये से बढ़ाकर 3.50 लाख रुपये की गई है। उपायुक्त ने बताया कि सभी उम्मीदवार अपने चुनावी-खर्च का लेखा बनाकर रखेंगे और चुनाव का परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर उसे प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। ऐसा न करने पर वह उम्मीदवार 5 वर्षों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लडने वाली अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के लिए आठवीं कक्षा, जबकि सदस्य के पद का चुनाव लडने के लिए पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

डीसी से बातचीत के बाद माने दुकानदार

प्रत्येक 5 पाइपें डालने के बाद सड़क करनी होगी दुरूस्त, मानसून से पहले खत्म हो जाएगा काम

फतेहाबाद, (हि.स.)। धर्मशाला रोड पर बरसात के दिनों में होने वाली जलभराव की समस्या के समाधान को लेकर जिला प्रशासन द्वारा संन्यास आश्रम रोड से चिल्ली तक पाइप लाइन डालने का काम शुरू हो गया है। पाईप लाइन डालने को लेकर इस क्षेत्र के लोगों द्वारा सीसी सड़क को तोडने का विरोध किया गया था, लेकिन उपायुक्त के साथ हुई बातचीत में समस्या का समाधान निकाला गया और इस काम को अब सुचारू रूप से शुरू करवा दिया गया है। समाजसेवी पियुष नारंग ने लोगों को परेशानियों को समझते हुए सकारात्मक तरीके से उसका समाधान करने पर उपायुक्त का आभार जताया है। गौरतलब है कि गत दिवस ठेकेदार द्वारा जब जेसीबी की मदद से सीसी सड़क को तोडने चाहा तो लोगों ने युवा समाजसेवी पियुष नारंग, मुकेश नारंग के नेतृत्व में लोगों ने इसका विरोध करते हुए काम को रूकवा दिया। इस पर उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। इस पर शहरवासियों का एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें पियुष नारंग, पूर्व पार्षद सुभाष पपीया, पंचनद जिला प्रधान गुलशन रूखाया, कृष्ण नैन, मुकेश नारंग, हरीश आहूजा, गुरदीप सिंह बग्गा, विकास उतरेजा, कुलबीर सिंह, चन्द्र जुनेजा, याकूब खान, वीरू खटाणा, कमल सुनेहा, मोहन लाल नारंग, विनोद अरोड़ा आदि शामिल थे, उपायुक्त से बातचीत करने पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से बातचीत में कहा कि ठेकेदार द्वारा पाइप लाइन डालने के लिए सड़क के साथ लगे ब्लाक को उखाडने की बजाय सीसी सड़क को तोड़ा जा रहा है, जिसका उन्होंने विरोध किया है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सड़क तोडने की बजाय प्रशासन ब्लाक को उखाड़कर वहां इस पाइप लाइन को चिल्ली तक डलवा सकता है। इस पर उपायुक्त ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों व ठेकेदार को निर्देश दिए कि पाइप लाइन डालने के लिए सड़क तोडने की बजाय ब्लाक को उखाड़कर पाइप लाइन डाली जाए। प्रत्येक 5 पाइप डालने के बाद पहले सड़क को दुरूस्त किया जाए और उसके बाद ही अगली 5 पाइपें डाली जाए। इस काम में लापरवाही न बरती जाए।

उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि मानसून आने से पहले इस काम को पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद आज विभाग के एसडीओ दीपक, जेई बलविन्द्र व गिरीश, समाजसेवी पियुष नारंग व अन्य दुकानदारों ने मिलकर पाइप लाइन डालने को काम को शुरू करवाया गया। पियुष नारंग ने कहा कि इस काम में लोगों द्वारा प्रशासन को पूरा सहयोग किया जाएगा।

स्वास्थ्य कर्मियों ने शिक्षामंत्री के निवास पर ज्ञापन सौंपा

यमुनानगर, (हि.स.)। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को शिक्षा मंत्री कँवरपाल को उनके निवास पर जाकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवम प्रदेश संगठन मंत्री विजय कम्बोज ने कहा की एनएचएम कर्मचारियो की मुख्य माँगे है। जिनमें 7वां पे कमिशन की है जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री कर चुके है। जिसका लाभ 7 महीने बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों को नही मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक कर्मचारी को पाँच हजार की राशि देने की घोषणा दो वर्ष पहले की थी वो भी आज तक नही मिली। इसके अलावा ग्रेड पे संसोधन , ग्रेजुटी का लाभ कर्मचारियों को पिछली हड़ताल का कटा हुआ वेतन, कैशलेस मेडिकल सुविधा सहित अन्य मांगें बहुत समय से लंबित पड़ी है। विजय कम्बोज ने कहा की अगर समय रहते सरकार की घोषणाओ के पत्र जारी नही हुए तो सभी एनएचएम कर्मचारी 9 जून को एक दिन की हड़ताल करेंगे। शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने उनकी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से जल्द ही बात कर समाधान करने का आश्वासन दिया।

जिला के 102116 परिवारों को मिल रहा प्रति सदस्य पांच किलो अनाज

-गरीबों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है पीएमजीकेएवाई

फतेहाबाद, (हि.स.)। कोरोना काल में बड़ा सहारा देते हुए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) शुरू की। अब इस योजना का विस्तार भी किया गया है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबों को सितंबर 2022 तक हर माह मुफ्त खाद्यान्न दिया जाएगा। कोरोना के दौरान यह योजना आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण योजना साबित हुई है। यह योजना गरीबों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उपायुक्त प्रदीप कुमार ने बताया कि जिला फतेहाबाद में इस योजना के तहत एक लाख दो हजार 116 परिवारों के 4 लाख 57 हजार 50 सदस्यों को लाभ दिया जा रहा है। यह लाभ हरियाणा राज्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत एएवाई, बीपीएल और ओपीएच राशन कार्ड धारकों को वितरित की जा रही आवश्यक खाद्य वस्तुओं के अतिरिक्त केन्द्र सरकार द्वारा दिया जा रहा है। इस योजना के तहत इन परिवारों को पांच किलोग्राम प्रति यूनिट अतिरिक्त अनाज दिया जा रहा है। अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई-गुलाबी) के राशनकार्डों की संख्या 10 हजार 361 है जिनके 40 हजार 638 सदस्य है। गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल-पीला) राशनकार्डों की संख्या 25 हजार 536 एवं सदस्य 1 लाख 17 हजार 714 और अन्य प्राथमिक परिवार (ओपीएच-खाकी) राशनकार्डों की संख्या 53 हजार 249 और सदस्य 2 लाख 38 हजार 542 हैं।

इन परिवारों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पांच किलोग्राम गेहूं प्रति सदस्य के वितरित करने का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के अंतर्गत प्रति माह निशुल्क अन्न प्राप्त होने पर खुशी जताते हुए फतेहाबाद के वार्ड नंबर 7 निवासी राज कुमार कहते हैं कि कोरोना काल के दौरान उनका व्ययसाय पूरी तरह से बंद हो गया था, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों को निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध करवाया है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में चार सदस्य है और उन्हें दीपिका रानी डिपू होल्डर से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत फ्री में अनाज उपलब्ध हो रहा है। इसी प्रकार से फतेहाबाद के वार्ड नंबर 9 निवासी चरनी देवी ने बताया कि उसके परिवार में तीन सदस्य है और उन्हें पीएमजेएवाई योजना का लाभ मिल रहा है, इसके लिए वे केंद्र सरकार व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी है।

अब नहरों में नहाए तो खैर नहीं होगी

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिलाधीश प्रदीप कुमार ने जिला में होकर गुजरने वाली नहरों में नहाने पर रोक लगाते हुए धारा 144 लागू करने के आदेश पारित किए है। जिलाधीश ने अपने आदेशों में कहा कि जिला फतेहाबाद में काफी नहरें है, जिनमें गर्मी के मौसम में युवा व अन्य व्यक्ति नहाने के लिए जाते हैं। नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव व गहराई ज्यादा होने की वजह से पानी में डूबने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि मई माह में जिला में पानी में डूबने की घटना के कारण आठ लोगों की मौत हो चुकी है। लोगों के जीवन को सुरक्षित रखने और जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधीश ने धारा 144 लागू करते हुए नहरों में नहाने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेशों की अवहेलना करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड प्रक्रिया नियमावाली के तहत कार्यवाही की जाएगी।

नगरपरिषद ने हंस मार्किट से हटवाई रेहडियां, रेहड़ी चालकों ने किया विरोध

-खफा रेहड़ी चालक ने नगरपरिषद कर्मचारियों पर लगाया मंथली मांगने के आरोप

फतेहाबाद, (हि.स.)। शहर की हंस मार्किट में रेहड़ी चालकों द्वारा किए गए अतिक्रमण से शाम से समय इस बाजार से पैदल गुजरना तक मुश्कल हो जाता है। इस बारे प्रशासन को लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगरपरिषद द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान को लेकर सब्जी रेहड़ी संचालकों में हडकंप मच गया और कुछ रेहड़ी चालकों ने तो अपनी रेहडियां वहां से हटा ली, जबकि कुछ रेहड़ी चालकों ने नगरपरिषद की इस कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने नगरपरिषद कर्मचारियों पर रेहड़ी चालकों से मंथली लेने के गंभीर आरोप लगाए। एक रेहड़ी चालक ने कहा कि नगरपरिषद के कर्मचारी पहले उनसे 500 और बाद में 700 रुपये प्रतिमाह रेहड़ी लगाने की एवज में लेते थे लेकिन अब उन्होंने इस बढ़ाकर 1 हजार रुपये कर दिया है। जब उन्होंने मंथली देने से इंकार किया तो उनकी रेहडियां हटवाई जा रही है। नगरपरिषद की इस कार्यवाही से खफा एक रेहड़ी चालक ने अपनी रेहड़ी को ही बीच बाजार में पलट दिया। इसके बाद अतिक्रमण हटाने को लेकर सब्जी रेहड़ी संचालक डीएमसी अजय चोपड़ा के पास पहुंचे और समय मांगा। इस दौरान नगर परिषद के अधिकारी भी मौजूद रहे। डीएमसी ने कहा कि हंस मार्केट में अतिक्रमण को लेकर शिकायतें आ रही है और दुकानदार ही शिकायत कर रहे है। यहां से रेहडियां हटवाने को लेकर पहले भी चेतावनी जारी की गई थी। नगरपरिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक मुकेश शर्मा ने कहा कि हंस मार्केट में मुख्य रोड पर सब्जी और फलों की रेहडियां लगने से जाम की स्थिति हो जाती है। शाम के समय दुपहिया वाहन भी नहीं निकल पाते हैं। अतिक्रमण को लेकर दुकानदारों का आपस में भी कई बार विवाद हो चुका है। कई दुकानदारों पर रुपये लेकर रेहड़ी लगवाने के भी आरोप लग चुके हैं। नगर परिषद पहले भी यहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता रहा है लेकिन एक दिन बाद ही स्थिति ज्यों की त्यों हो जाती है। बाजार से अतिक्रमण हटाने के बाद कर्मचारी तैनात किया गया है ताकि दोबारा रेहड़ी न लग सकें। हंस मार्केट से रेहडियां हटवा दी गई है। इसके अलावा चेतावनी भी दी गई है कि अगर कोई अतिक्रमण करता है तो सामान जब्त कर लिया जाएगा। हंस मार्केट में रेहडियां न लगे, इसको लेकर यहां पर कर्मचारी तैनात कर दिया गया है।

कोविड-19 के दौरान हुए अनाथ बच्चों को वितरित करेंगे हेल्थ कार्ड व प्रमाण पत्र

फतेहाबाद, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 मई सुबह 9.45 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री इस दिन पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन स्कीम के तहत कोविड-19 से प्रभावित लाभार्थी अनाथ बच्चों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत हेल्थ कार्ड व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करेंगे। नगराधीश सुरेश कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिन एक अन्य पीएम बाल सेवा योजना के तहत दस लाख रुपये का लाभ बच्चों के खाते में जमा करेंगे। पीएम बाल सेवा योजना के तहत बच्चों के बैंक खातों 18 वर्ष के बाद राशि म्योचर होगी और बच्चे की 23 वर्ष की उम्र के बाद यह राशि उन्हें ब्याज सहित मिलेगी।

उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

योग शिक्षकों ने नियुक्तियों को लेकर ज्ञापन सौंपा

यमुनानगर, (हि.स.)। आयुष विभाग में योग शिक्षकों की नियुक्तियों की मांग को लेकर योग शिक्षक संघ हरियाणा ने यमुनानगर जिलाध्यक्ष दीपक बडोला की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय में तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम ज्ञापन सौपा। जिलाध्यक्ष दीपक बडोला ने बताया कि सरकार पिछले 8 वर्षो से हर साल एक हजार योग शालायें खोलने की घोषणा करती है। उसमे एक हजार योग शिक्षक व 22 योग कोच रखने की बात भी करती है। परंतु धरातल पर आज तक व्यायम शालायों का निर्माण ही नही हो पाया है और ना ही एक भी योग शिक्षक रखा गया है। जिन योग शिक्षाकों को रखा गया था उनको भी एक वर्ष कार्य करने के बाद हटा दिया गया है। हम सभी अपनी आयुष विभाग में नियुक्तियों को लेकर बहुत बार निवेदन कर चुके है। परंतु हमारे आयुष विभाग में नियुक्तियों के निवेदन की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि योग आयोग के गठन के बाद एक उम्मीद जाग गई थी की हमारी नियुक्तियां जल्दी हो जाएगी, परंतु योग आयोग हरियाणा भी योग के क्षेत्र में कोई एहम कदम नही उठा पाया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार, योग आयोग व अधिकारियों की गलत नीतियों के कारण से हम पूरे हरियाणा के योग वलियंटर्स व योग कोच में रोष उतपन्न हो गया है। इसलिए हम सभी ने मिलकर ये निर्णय लिया है कि यदि आगामी 10 जून तक हम सभी की नियुक्तियां आयुष विभाग में नही करवाई गई तो हम सब मजबूर होकर सरकार , योग आयोग व अधिकारियों की योग को लेकर गलत नीतियों के खिलाफ आगामी 10 जून से 21 जून तक पूरे हरियाणा में अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर रोष धरना व अंतराष्ट्रीय योग दिवस का बहिष्कार प्रदर्शन किया जाएगा।

पांच गांवों के 300 से भी अधिक प्रौढ़ अशिक्षित को करवाया अक्षर ज्ञान

भिवानी, (हि.स.)। स्थानीय चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा शत-प्रतिशत प्रौढ़ शिक्षा अभियान को जिला में जोर-शोर से चलाया जा रहा है। यह अभियान सीबीएलयू के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव ऋतु सिंह के नेतृत्व में तथा अधिष्ठाता शैक्षिक मामले व विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गुप्ता के विशेष सहयोग से चलाया जा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. आरके गुप्ता ने समाज कार्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे इस अभियान में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को सराहा है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय द्वारा चयनित पांच गांव, प्रेमनगर, बापोड़ा, हालुवास, निनान और उमरावत में 300 से भी अधिक प्रौढ़ अशिक्षित लोगों को छात्रों ने फील्ड वर्क के दौरान अक्षर ज्ञान करवाया। इन पांच गांवों में एक हजार से अधिक प्रौढ़ अशिक्षित की पहचान हुई है तथा उनका ब्यौरा छात्रों ने एकत्रित किया है। इस अभियान का उद्देश्य भिवानी जिले के प्रौढ़ अशिक्षित लोगों को अक्षर ज्ञान करवाकर उन्हें शत प्रतिशत साक्षर करवाना है। प्रौढ़ शिक्षा अभियान को रोटरी इंटरनेशनल क्लब के तकनीकी सहयोग से चलाया जा रहा है। भविष्य में इस अभियान के तहत चरखी दादरी जिला एवं भिवानी जिले के सभी गांव के अशिक्षित प्रौढ़ महिलाओं एवं पुरुषों को शिक्षित किया जाएगा। इस अभियान को गति देने के लिए समाज कार्य विभाग के छात्र व छात्राएं सप्ताह में दो दिन गोद लिए हुए गांव में घर-घर दस्तक देकर लोगों को अक्षर ज्ञान हेतु जागरूक व प्रेरित कर रहे है।

दूसरे राज्यों से आने वाले आगंतुकों की सूचना थानों में देने के आदेश

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिलाधीश प्रदीप कुमार ने जिला में बाहरी राज्यों के आगंतुकों की पहचान और पूर्ण रिकॉर्ड को रखने के आदेश देते हुए उनके चरित्र सत्यापन के निर्देश दिए है। जिलाधीश ने बताया कि जिला में कुछ आगंतुक बाहर यानी दूसरे राज्यों से आकर रहते हैं। शिक्षण संस्थानों में पढने वाले, रिक्शा चालक, ट्रैक-टैक्सी चालक, रेहड़ी व रोजगार के लिए अन्य राज्यों से जिला में आए नागरिक यहां मकान, होटल, पीजी आदि में ठहरते हैं, परन्तु मकान, होटल, पीजी के मालिक उनके ठहरने बारे स्थानीय थानों को नहीं दे रहे हैं। जिलाधीश ने कहा कि यह लापरवाही एक बड़ी घटना के रूप में भी घटित हो सकती है। उन्होंने अपने आदेशों में कहा है कि होटलों में किराए पर ठहरने वाले लोगों की निगरानी के लिए होटल के प्रवेश व निकासी द्वार तथा रिशेप्शन हॉल पर सीसीटीवी कैमरें होना अति आवश्यक है। इसके साथ ही उसका रिकॉर्ड भी रखा जाए। उन्होंने पीजी और मकानों में रह रहे बाहरी राज्यों के व्यक्तियों बारे संबंधित थानों में रिकॉर्ड देने के आदेश दिए है। जिलाधीश ने कहा कि कोई व्यक्ति अगर इन आदेशों की पालना नहीं करता है तो भारतीय दंड प्रक्रिया नियमावाली 1973 की धारा 188 के तहत दंड का भागीदार होगा।

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 4

शहबाज सरकार ने विदेश में रहने वाले 90 लाख पाकिस्तानियों को मतदान के अधिकार से वंचित किया

- चुनाव से ईवीएम को हटाया

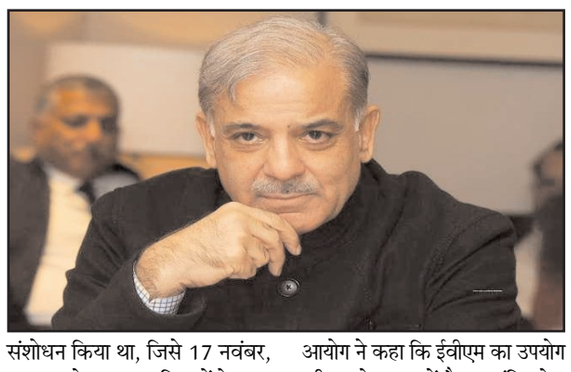

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने विदेश में रहने वाले करीब 90 लाख पाकिस्तानियों को मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने आम चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) हटाने के लिए चुनाव संशोधन विधेयक 2022 पारित किया है। विधेयक को बहुमत से पारित कर दिया गया। नेशनल असेंबली में गुरुवार को बहुमत से पारित चुनाव संशोधन विधेयक 2022 को संसदीय कार्य मंत्री मुर्तजा जावेद अब्बासी ने पेश किया था। संशोधन चुनाव अधिनियम 2017 में प्रस्तावित किया गया था, जिसे पहले संशोधित कर और विदेश में रह रहे पाकिस्तानियों को आम चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के माध्यम से मतदान करने का अधिकार दिया गया था। संघीय कानून और न्याय मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि इमरान सरकार ने चुनाव द्वितीय संशोधन विधेयक 2021 के माध्यम से संशोधन किया था, जिसे 17 नवंबर, 2021 को 32 अन्य विधानों के साथ नेशनल असेंबली के माध्यम से खत्म कर दिया था। उन्होंने कहा कि आज पेश किए गए विधेयक में उन संशोधनों से पहले के आकार में चुनाव अधिनियम 2017 को पुनर्जीवित करने की मांग की गई है जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करेगा। इसके साथ ही तरार ने कहा कि विदेशों में रहने वाले पाकिस्तानी देश की अनमोल संपत्ति हैं और सरकार उनके वोट का अधिकार छीनने में विश्वास नहीं करती है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने कहा कि ईवीएम का उपयोग परीक्षण के चरण में है। हालांकि, देश के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी के साथ देश के भीतर ईवीएम की उपयोगिता और उपयोग भी सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। संसद सत्र के दौरान विपक्षी पार्टी ग्रैंड डेमोक्रेटिक अलायंस (जीडीए) के घोष बख्श मेहर ने कहा कि दुनियाभर में ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है और पाकिस्तान को कम से कम उनका इस्तेमाल करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर पूरे देश में नहीं, तो कुछ क्षेत्रों में उनका इस्तेमाल करें।

इजरायल ने अमेरिका से कहा- ईरानी कमांडर को हमने मारा

वांशिगटन, (हि.स.)। ईरान के टॉप कमांडर कर्नल खोदेई की कुछ दिनों पहले उनके घर के सामने हत्या से कर दी गई थी, जिसके बाद ईरान ने इस हत्या के बदला लेने का ऐलान किया था। उस समय ईरान ने इजरायल पर हत्या का आरोप लगाया था। अब इजरायल ने अमेरिका से ईरान के टॉप कमांडर को मारने का दावा किया है। एक रिपोर्ट में यह दावा इजरायल के एक टॉप अधिकारी के हवाले से किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक एक खुफिया अधिकारी का कहना है कि इजरायल ने अमेरिकी अधिकारियों को बता दिया है कि कर्नल खोदेई की हत्या में उनका हाथ है। हालांकि रिपोर्ट में बताया गया कि इजरायल के प्रधानमंत्री की प्रवक्ता ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है। कर्नल हसन सैय्यद खोदेई की इस हत्या के बाद से ही ईरान इजरायल पर भड़का हुआ है। हाल ही में ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य माजिद मीराहमाडी ने भी कहा था कि इस हत्या के पीछे यकीनन इजरायल का हाथ है। उन्होंने भी इजरायल को इसका खामियाजा भुगतने की चेतावनी दी थी। इसके अलावा ईरानी सरकार से जुड़े लोग भी इस हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार मान रहे हैं। अपने टॉप कमांडर की हत्या के बाद ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने इसे आतंकी हमला बताया है और कहा है कि ईरान इसका बदला जरूर लेगा। राष्ट्रपति रईसी ने कहा है कि इस हमले की जांच से यह पता चलेगा कि इसके पीछे किसका हाथ है और जल्द ही इस खून का बदला जरूर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सीरिया में शिया मुसलमानों के पवित्र दरगाहों की रक्षा करने वाली ताकतों के हाथों परास्त होने वाले लोग इस तरह हमले कर अपनी हताशा प्रकट कर रहे हैं। इससे पहले हमले के बाद ईरान की तरफ से यह भी कहा गया कि इस मामले में इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इस हत्याकांड में इन लोगों का ही हाथ होने का संदेह ईरान ने जताया है। सैयद खोदाई ईरान के लिए कासिम सुलेमानी के बाद दूसरे बड़े सैन्य कमांडर थे। वह इराक और सीरिया में स्थित शिया समुदाय के पवित्र स्थलों की रक्षा करने का काम देख रहे थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार राजधानी तेहरान में रविवार को कर्नल सैयद खोदाई जब अपने घर के बाहर कार में सवार थे, उसी समय सशस्त्र हमलावरों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। कर्नल खोदाई कुलीन कुद्स फोर्स के एक वरिष्ठ सदस्य थे, जो रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की एक बाहरी शाखा है।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल 30 रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान में महंगाई और वस्तुओं की बढ़ती कीमतें हर दिन नया रिकॉर्ड बना रही है। ताजा घटनाक्रम में पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दामों में एकमुश्त 30 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है जो शुक्रवार आधी रात से लागू हो जाएगी। पेट्रोलियम कीमतों में बढ़ोतरी के संबंध में पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने गुरुवार को ट्वीट कर पेट्रोल-डीजल और केरोसिन तेल के दामों में हुई बढ़ोतरी की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट कर बताया कि सरकार ने शुक्रवार 27 मई से पेट्रोल, हाई स्पीड डीजल, मिट्टी के तेल (केरोसिन तेल) और हल्के डीजल तेल की कीमतों में 30 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का फैसला किया है। नई कीमतें आधी रात से लागू होंगी। पेट्रोल की नई कीमत 179.86 रुपये और डीजल की कीमत 174.15 रुपये प्रति लीटर होगी। जानकारी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वस्तुओं पर सब्सिडी को समाप्त करने पर जोर देने के बाद पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से पाकिस्तान की जनता की परेशानी बढ़ने वाली है।

साउथ कोरिया में बना कागज का जहाज उड़ाने का रिकार्ड

- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया यह कीर्तिमान

सोल (ईएमएस)। साउथ कोरिया में एक ऐसा रिकॉर्ड बना जिसने सभी को हैरान कर दिया। बचपन में जो कागज का जहाज बनाकर आप यूं ही उड़ा दिए करते थे बड़े होकर इसी कागज के जहाज से एक शख्स ने विश्व रिकॉर्ड बना दिया। कागज का हवाई जहाज मलेशिया के ची यी जियान ने डिजाइन किया था, जिसे दक्षिण कोरिया के शिन मू जून ने मोड किया और दक्षिण कोरिया के ही किम क्यू ताए ने हवा में फेंककर रिकॉर्ड बना दिया। कागज के हवाई जहाज के शौकीनों की तिकड़ी ने जैसे ही 252 फीट, 7 इंच की उड़ान के लिए एक मुड़ा हुआ विमान हवा में छोड़ा इसी के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला। दक्षिण कोरिया के किम क्यू ताए ने अपना बेस्ट थ्रो 252 फीट और 7 इंच ऊंचाई हासिल करते हुए विमान को आठ बार हवा में फेंका। विमान को डिजायन करने वाले मलेशिया के ची यी जियान ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से बातचीत में बताया कि उनके डिजायन के साथ शिन के द्वारा किए गए विंग मोड और किम की रॉकेट आर्म एक विनर कॉम्बिनेशन था जिसके चलते उन्हें किसी तरह को कोई डर नहीं था। इसके पहले फोल्ड फ्लाइंग मशीन 2012 में 226 फीट और 10 इंच की दूरी तक उड़ान भरने के साथ रिकॉर्ड बना चुकी थी। 2019 के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने के प्रयास के नाकाम होने के बाद ची

ने एक टीम बनाई जिसका नाम रखा ह्वशिन किम ची टीमह्व। ची रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश के दौरान मौजूद नहीं थे, बाकी के दो पुरूष सदस्य भी एक दूसरे से पर्सनली कभी नहीं मिले थे। लेकिन वह और शिन कई सालों से एक दूसरे के संपर्क मे रहे। उनका कहना है कि कागज के हवाई जहाज वाला वर्ग बहुत छोटा लेकिन ग्लोबल लेवल तक इसकी पहुंच है। लिहाजा लोग एकदूसरे से ऑनलाइ जुड़े रहते हैं। ची ने बताया कि वो शिन को पिछले एक दशक से जानते हैं।

मंकीपॉक्स के प्रकोप अप्रत्याशित घटना : डब्ल्यूएचओ

-रेव पार्टी को लेकर विशेषज्ञ ने जताई ऐसी आशंका

लंदन (ईएमएस)। विकसित देशों में दुर्लभ बीमारी मंकीपॉक्स के प्रकोप को अप्रत्याशित घटना है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का। संगठन के एक प्रमुख सलाहकार ने कहा कि यूरोप में हाल में दो रेव पार्टी में जोखिम भरे यौन व्यवहार के कारण संभवतः इसका प्रसार हुआ। डब्ल्यूएचओ के आपातकालीन विभाग के प्रमुख रहे डॉ। डेविड हेमन ने कहा कि सबसे मजबूत सिद्धांत यह है कि स्पेन और बेल्जियम में आयोजित दो रेव पार्टी में समलैंगिकों और अन्य लोगों के बीच यौन संबंधों की वजह से इस बीमारी का प्रसार हुआ है। मंकीपॉक्स पूर्व में अफ्रीका के बाहर नहीं फैला था, जहां पर यह स्थानीय स्तर की बीमारी थी। हेमन ने कहा, हम जानते हैं कि मंकीपॉक्स तब फैल सकता है, जब संक्रमित के करीबी संपर्क में कोई आता है और यौन संबंधों की वजह से इस बीमारी का प्रसार और बढ़ जाता है। जर्मनी की सरकार ने सांसदों को एक रिपोर्ट में कहा है कि आगे मंकीपॉक्स के और भी मामले आ सकते हैं।

जर्मनी में चार पुष्ट मामलों का जुड़ाव ग्रेन केनेरिया समेत अन्य जगहों पर पार्टी के आयोजन से है जहां लोगों के बीच यौन गतिविधियां हुई थीं। डब्ल्यूएचओ ने ब्रिटेन, स्पेन, इजराइल, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित 10 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 90 से अधिक मामले दर्ज किए हैं। सोमवार को डेनमार्क में मंकीपॉक्स का पहला मामला आया। वहीं, पुर्तगाल में 37 मामले आ चुके हैं। इटली में भी एक और नया मामला आया है। मैड्रिड के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी एनरिक रूज एसकुदेरो ने कहा कि स्पेन की राजधानी में अब तक 30 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्राधिकार केनेरी आइलैंड में गे प्राइड कार्यक्रम और बीमारी के बीच संभावित जुड़ाव की जांच कर रहे हैं जहां करीब 80,000 लोग आए थे। हेमन ने मौजूदा महामारी का आकलन करने के लिए संक्रामक रोग पर डब्ल्यूएचओ के परामर्श समूह की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि अभी ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि मंकीपॉक्स ज्यादा संक्रामक रूप में बदल सकता है।मंकीपॉक्स आमतौर पर बुखार, ठंड लगने, चेहरे या जननांगों पर दाने और घाव का कारण बनता है।

गोलीबारी की वारदातों पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर रिपब्लिकन ने लगाया अडंगा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में पनप रही गन संस्कृति पर अंकुश लगाने के कीशिशों को तब बड़ा झटका लगा जब न्यूयॉर्क के बफेलो में कुछ दिन पहले और मंगलवार टेक्सास के उवाल्डे में हुई गोलीबारी का जवाब देने का डेमोक्रेट का पहला प्रयास नाकाम रहा। दरअसल, यूएस कांग्रेस रिपब्लिकन ने घरेलू आतंकवाद बिल को रोक दिया है। इस बिल के आने से घृणा अपराधों और बंदूक सुरक्षा से जुड़े कठिन सवालों पर बहस शुरू हो जाती। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने रिपब्लिकन को घरेलू आतंकवाद बिल लाने के लिए मनाने की कोशिश की। रिपब्लिकन ने पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क के बफेलो में एक किराने की दुकान और दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक चर्च में बड़े पैमाने पर गोलीबारी के बाद घरेलू आतंकवाद बिल लाने के लिए सदन को मंजूरी दे दी थी। उन्होंने कहा था कि यह विधेयक बातचीत का आधार बन सकता है। इस बिल पर वोटिंग के दौरान रिपब्लिकन ने पार्टी लाइन पर इसका समर्थन नहीं किया, और यह बिल सिनेट से पास होने में विफल रहा। इसके साथ ही बंदूक सुरक्षा उपायों को लेकर सिनेट में बहस की संभावना लगभग टल गई, और फिर से बहस शुरू करने को लेकर एक संदेह पैदा हो गया।

अमेरिका में लगातार बढ़ रहा घोस्ट गन का प्रचलन, आनलाइन आर्डर कर बंदूक के कलपुर्जो को मंगवा रहे बच्चे

इन बंदूकों में सीरियल नंबर नहीं होता

टेक्सास (ईएमएस)। अमेरिका के टेक्सास में एक एलिमेंटरी स्कूल में 18 साल के युवक ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग कर 18 बच्चों को मार डाला। इस गोलीबारी में 3 टीचर की भी मौत हो गई है। अमेरिका में इस तरह की घटनाओं के पीछे बड़ा कारण यहां का गन कानून है। रिपोर्ट के मुताबिक, गन कल्चर के कारण समाज में हिंसा पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। हमारे देश में गन खरीदने के लिए आर्म्स लाइसेंस की जरूरत पड़ती है, मगर अमेरिकी कानून के अनुसार बंदूक के पार्ट्स को बिना किसी लाइसेंस के ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है। अपराधी तब छोड़े हां तक कि बच्चे भी ऑनलाइन ऑर्डर देकर बंदूक के कलपुर्जों को मंगवा रहे हैं। घर में ही बंदूकों को असेम्बल कर लिया जा रहा है। द गन कंट्रोल एक्ट 1968 के मुताबिक, राइफल या कोई भी छोटा हथियार खरीदने के लिए उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। दूसरे हथियार मसलन हैंडगन खरीदने के लिए 21 साल की उम्र होनी चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में आम नागरिकों के पास 39 करोड़ हथियार हैं। अलग पार्ट्स को मिलाकर असेंबल करने के कारण इसतरह के हथियारों का कोई सीरियल नंबर भी नहीं होता है। इस तरह इन बंदूकों का पता नहीं किया जा सकता है कि इनका मालिक कौन है। इस प्रकार से असेम्बल कर बनाई गई बंदूकों को घोस्ट गन कहा जाता है। यानी इन्हें किसी भी प्रकार से ट्रैक नहीं किया जा सकता है। क्राइम सीन पर मिलने वाले हथियारों में से 50 फीसदी तक ये अवैध हथियार ही होते हैं। पुलिस ने 25 हजार ऐसी बंदूकों को जब्त किया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनाव के दौरान गन कल्चर पर रोक का वादा किया था, लेकिन इस पर कोई पहल नहीं की जा सकी है। ऑनलाइन साइट पर गन के पार्ट्स की खरीद पहले की तरह ही जारी है। 2016 में टेक्सास के स्कूल में भी इस तरह की गोलीबारी हुई थी। इसमें एक स्कूली छात्रा की मौत हो गई थी। इसके बाद 2018 में ऐसी ही वारदात हुई। टेक्सास के सेंट फे स्कूल में 17 साल के हमलावर ने बच्चों पर गोली चला दी, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पिछले साल 2021 में भी टिम्बरव्यू स्कूल में गोलीबारी हुई। हालांकि, किसी की मौत नहीं हुई। कई लोग घायल जरूर हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में अब तक 212 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा अमेरिका में 2021 में 693 सामूहिक गोलीबारी की घटनाएं हुई। 2022 में 611 जगह गोलीबारी हुई, तब 2019 में 417 जगहों पर ऐसी ही वारदात को अंजाम दिया गया।

आज का इतिहास 28 मई

1414 खिजर खान ने दिल्ली पर कब्जा करके सैयद वंश के शासन की शुरुआत की.
1572 महाराजा प्रताप मेवाड़ की गद्दी पर बैठे.
1883 क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर का जन्म.
1940 द्वितीय विश्वयुद्ध में बेल्जियम ने जर्मनी के आगे हथियार डाल दिए.
1947 भारतीय मानक संस्थान की स्थापना हुई.
1961 पेरिस–बुखारेस्ट ओरिएंट एक्सप्रेस ने 78 वर्ष बाद अपनी अंतिम यात्रा की.
1970 अखिल भारतीय श्रमिक संघ कांग्रेस दो भागों में बँट गई.
1971 सोवियत संघ ने मंगल ग्रह के लिए अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया.
1974 उत्तरी आयरलैंड की मिलीजुली सरकार का पतन.
1976 अमरीका और सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षणों के बारे में समझौता किया.
1997 माधवराव सिंधिया नारायण दत्त तिवारी, अर्जुन सिंह व आर. के. धवन, हवाला कांड से आरोप मुक्त.
1999 कारगिल में घुसे घुसपैठियों ने स्टिंगर मिसाईल से एक भारतीय हैलीकाप्टर मार गिराया. सेना ने अनेक क्षेत्रों में घुसपैठियों का सफाया किया.
2000 कानपुर के सेना आयुध केंद्र में आग लगने से लाखों का नुकसान.

जेलेंस्की का झलका दर्द, बोले- पश्चिम देश रूस की तिमारदारी करने के बजाय सख्त प्रतिबंध लगाए

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले को तीन महीने से अधिक हो गए युद्ध है कि खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस जंग में यूक्रेन बर्बाद हो रहा है और रूस दुनिया से अलग-थलग पड़ रहा है। इसके बाद भी रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कुछ खास फर्क नहीं पड़ रहा। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमिर जेलेंस्की ने पश्चिम देशों से सख्त रवैया अपनाने की का दर्द झलक गया उन्होंने हिस्ट्री एट ए टर्निंग प्वॉइंट समिट में अपने भाषण में कहा कि अब समय है कि पश्चिम देश रूस के आगे-पीछे घूमने के बजाय उस पर सख्त से सख्त प्रतिबंध लगाए, ताकि ये देश इस तर्कहीन जंग को खत्म करे। जेलेंस्की ने आगे कहा, अगर दुनिया ने रूस का जवाब नहीं दिया, तो एक बार फिर दुनिया में क्रूर शक्ति का राज होगा। अगर रूस युद्ध जीता तो ये समिट बेकार हो जाएगी। जेलेंस्की ने कहा, 'एकता हथियारों के बारे में है। मेरा सवाल यह है कि क्या व्यवहार में यह एकता है? मैं इसे नहीं देख सकता।

रूस के खिलाफ हमारा बड़ा फायदा तब होगा जब हम वास्तव में एकजुट होंगे।' बता दें वॉशिंगटन और यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को अरबों डॉलर के हथियार दिए हैं ताकि यूक्रेनी सेना को बेहतर हथियारों से लैस रूसी बलों को हराने में मदद मिल सके। कीव ने अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य गठबंधन में अधिक समर्थन, सदस्यता और देश पर नो-फ्लाई जोन लागू करने की अपील की है। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के समर्थन के लिए आभारी है। हालांकि उन्होंने कहा, 'हम यूरोपीय महाद्वीप में हैं और हमें एकजुट यूरोप के समर्थन की जरूरत है।' इससे पहले अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने यूक्रेन और रूस के युद्ध में सुझाव दिया है कि पश्चिम जितना इसमें बढ़ेगा उतना की फंसता जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन को युद्ध रोकने के लिए रूस को अपनी कुछ जमीन दे देनी चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कड़े शब्दों में इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी। जेलेंस्की ने कहा कि रूस चाहे जो कर ले वह अपनी जमीन नहीं देने वाले। हेनरी किसिंजर (98) दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में बोल रहे थे।

स्पेन में बिना सहमति वाले यौन संबंधों को दुष्कर्म की श्रेणी में रखा जाएगा, संसद में विधेयक पास

मैड्रिड (ईएमएस)। स्पेन में बिना सहमति वाले यौन संबंधों को बलात्कार की श्रेणी में रखा जाएगा, इस संबंद में स्पेन की संसद के निचले सदन ने गुरुवार को एक विधेयक पारित किया है। चार साल पहले देश में महिला अधिकारों के आंदोलन को गति देने वाले तथाकथित वुल्फ पैक मामले के बाद उपजे सामाजिक आक्रोश के जवाब में स्पेन की संसद ने यह विधेयक पारित किया है। स्पेनिश सरकार द्वारा प्रस्तावित यह कानून, जिसे ओनली यस इन यस यानी सिर्फ हां का मतलब हां होता है के रूप में जाना जाता है, यौन शोषण और यौन हमले से जुड़े अपराधों को उसी प्रकार के अपराध में मिला देता है, जिसे बलात्कार माना जाता है। पीड़ितों को ऐसे मामलों में अब अदालत में अपने खिलाफ हिंसा या प्रतिरोध साबित नहीं करना होगा। स्पेन के समानता मंत्री आइरीन मोंटेरो ने कांग्रेस में (स्पेन की संसद) सांसदों से कहा, आदर्श वाक्य ओनली यस इन यस और सिस्टर आई डू बिलीव यू आखरकार कानून में बदलने जा रहे हैं। अब से, स्पेन सभी महिलाओं के लिए एक स्वतंत्र और सुरक्षित देश है। इसके ड्राफ्ट पर करीब 2 साल से काम चल रहा है।

स्पेनिश संसद के निचले सदन में, विधेयक के समर्थन में 195 मत पड़े, जबकि3 सदस्य मतदान में शामिल नहीं हुए। अब इस विधेयक पर उच्च सदन में मतदान होगा और यहां से पास होने के बाद कानून के रूप में लागू होगा। वुल्फ पैक मामले के बाद से स्पेन की वामपंथी सरकार के एजेंडे में लैंगिक हिंसा का मुकाबला उच्च रहा है। साल 2018 में वुल्फ पैक नाम से खुद का जिक्र करने वाले 5 लोगों को, 2016 में पैम्प्लोना बुल-रनिंग फेस्टिवल के दौरान एक युवती के साथ सामूहिक बलात्कार के मामले में, यौन शोषण से कम अपराध के लिए जेल में डाल दिया गया था।

अमेरिका में न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डेन को डॉक्टर ऑफ लॉ की मानद उपाधि मिली। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 5

गेहूं और चीनी के बाद चावल के निर्यात पर बैन लग सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच 3 महीने से ज्यादा समय से छिड़ी लड़ाई के कारण दुनिया भर में अभूतपूर्व खाद्य संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बाद कई देश घरेलू बाजार में खाने-पीने की चीजों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए निर्यात पर पाबंदियां लगा रहे हैं। गेहूं और चीनी का निर्यात रोक भारत पहले ही सूची का हिस्सा बन चुका है। अब मोदी सरकार चावल के निर्यात पर भी पाबंदियां लगाने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री कार्यालय घरेलू बाजार में खाने-पीने की चीजों के दाम को नियंत्रित रखने के लिए उत्पाद-दर-उत्पाद आधार पर आकलन कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि पांच जरूरी उत्पादों के निर्यात पर पाबंदियां लगाने की तैयारी चल रही है। इसमें से दो प्रॉडक्ट गेहूं और चीनी के निर्यात पर पाबंदियां लग चुकी हैं। आने वाले समय में जिन उत्पादों के निर्यात पर पाबंदी लगाने की योजना है, उनमें गैर-बासमती चावल भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि गैर-बासमती चावल के मामले में उसी तरह की पाबंदी लग सकती है, जैसी चीनी के मामले में लगाई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, महंगाई को उच्च स्तर से हैंडल किया जा रहा है। कीमतों की निगरानी करने वाली समिति हर सामान को लेकर बैठक कर क्या एक्शन लिया जाए, इस बारे में विचार कर रही है। सूत्र ने बताया कि चावल पर भी चीनी की तरह पाबंदी लग सकती है।

चीनी के मामले में सरकार ने निर्यात पर 20 लाख टन का कैप लगाया है। भारत दुनिया में चावल का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। चावल का निर्यात करने के मामले में भारत से आगे सिर्फ चीन है। भारत ने 2021-22 में 150 से ज्यादा देशों को चावल का निर्यात किया था। इस दौरान भारत ने गैर-बासमती चावल के निर्यात से एग्री कमॉडिटीज में सबसे ज्यादा विदेशी मुद्रा की कमाई की। चूंकि अभी ज्यादातर देश अनाजों के मामले में इनवार्ड पॉलिसी अपना रहे हैं, भारत भी चाहता है कि पहले घरेलू जरूरतों को पूरा करे और इसके बाद पड़ोसी देशों के साथ उन देशों को चावल का निर्यात किया जाए, जो बेहद जरूरतमंद हैं।

दुनिया आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही, उनके समाधान में व्यापार महत्वपूर्ण हिस्सा

दावोस (ईएमएस)। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की महानिदेश-ाक एन. ओकोंजो इविला ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध, जलवायु संकट, कोरोना महामारी और खाद्य संकट सहित दुनिया आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके समाधान में व्यापार एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया जिस तरह के संकटों का सामना कर रही है वह बहुत ही असामान्य हैं। उन्होंने कहा, इन सभी संकटों में एक बात समान है कि कोई भी अकेला देश इनमें से किसी एक का समाधान नहीं कर सकता। डब्ल्यूटीओ प्रमुख ने कहा कि व्यापार को बढ़ावा देना अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इस समय बहुत सारे नकारात्मक जोखिम हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार हमेशा समाधान का हिस्सा रहा है और आज दुनिया जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, उनके लिए यह सच है। उन्होंने कहा कि खाद्य संकट को पारदर्शी और अस्थायी तरीके से संभालने के लिए निर्यात नियंत्रण हटाने की अच्छी संभावना है। उन्होंने कहा कि कुछ देश हैं, जिनके पास अतिरिक्त खाद्यान्न है और जमाखोरी ऐसी स्थिति में एक अच्छा विचार नहीं हो सकता। विश्व व्यापार संगठन प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि स्थिति से निकलने का कोई सुरक्षित गलियारा नहीं है, तब खाद्य संकट थोड़ा लंबा हो सकता है, उस स्थिति में, वह विकासशील देशों से अपना उत्पादन बढ़ाने का आग्रह करेंगी।

भारत को सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कदम उठाने की जरूरत : गौतम अडानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत जाने माने अरबपति कारोबारी गौतम अडानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गठबंधन अपने फायदे की रपटीली राहों पर बनते हैं, और भारत को सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। इसमें टीकाकरण से लेकर रक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से वापस लौटकर यह बात कही। अडानी समूह के चेयरमैन ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में लिखा कि महामारी के बाद जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, यूक्रेन युद्ध और बढ़ती मुद्रास्फीति ने एक साथ मिलकर दुनिया भर में दहशत और अनिश्चितता पैदा कर दी है। उन्होंने दावोस 2022 में विरोधाभास शीर्षक के साथ वर्तमान वैश्विक स्थिति पर लिखा, वैश्विक हालात ने हमें वैश्विक सहयोग के दिखावे के पीछे छिपने की जगह व्यवस्था आधारित राजनीति का सामना करने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि सहानुभूति नहीं, बल्कि सहयोग नई विश्व व्यवस्था की कुंजी है। साथ ही उन्होंने जोड़ा कि दावोस में युद्ध से चिंतित नेता आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता पर ही जोर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत को सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की जरूरत है, चाहे वह टीकाकरण हो, रक्षा हो या सेमीकंडक्टर। अडानी ने कहा कि इस अनिश्चित समय में आत्मनिर्भरता पर जोर देना ही होगा, क्योंकि इसके विकल्प बहुत सीमित हैं। उन्होंने कहा कि हम जैसे इस राह पर आगे बढ़ेंगे, कई बाधाएं भी आएंगी। कोई हमें सेमीकंडक्टर संयंत्र बनाने से रोकने की कोशिश करेगा, तो कई हमें रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने से रोकेंगे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर भी कई देशों के लिए कदम बढ़ाने के मुकाबले सिर्फ बातें करना आसान है। अडानी ने कहा कि महामारी, यूक्रेन युद्ध और जलवायु परिवर्तन पर का-र्रवाई ने वैश्विक सहयोग की सीमा को उजागर किया है। अंतरराष्ट्रीय गठबंधन और समझौते, स्वहित की रपटीली राहों पर बनते हैं। उन्होंने जोड़ा कि एक सीधा सरल दुनिया की कल्पना करने की जगह उतार-चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए और उनसे सबक लेना चाहिए।

2 माह के शीर्ष पर पहुंचकर नीचे आया कच्चा तेल

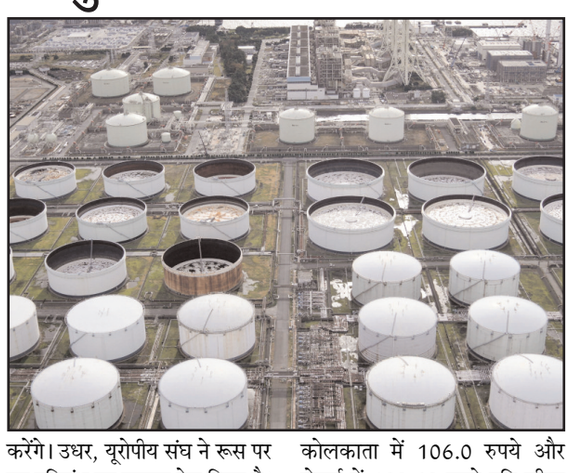

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शुक्रवार को कुछ गिरावट देखने को मिली। शुरूआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड फ्यूचर 11 सेंट्स गिरकर 117.29 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड फ्यूचर 19 सेंट्स गिरकर 113.90 डॉलर प्रति डॉलर पर पहुंच गए। वैश्विक आपूर्ति में बाधा के कारण इससे पिछले एशियाई कारोबारी सत्र में कच्चा तेल अपने 2 महीने के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया था। इस साल अब तक कच्चे तेल की कीमतों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

वहीं, ओपेक देशों ने पश्चिमी देशों की कच्चे तेल का उत्पादन तेजी से बढ़ाने की मांग को नकार दिया है। ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) अपने पिछले साल के प्रोडक्शन टारगेट पर ही कायम रहेंगे और जुलाई के लिए आउटपुट टारगेट को बढ़ाकर 4,32,000 बैरल प्रतिदिन करने करेंगे। उधर, यूरोपीय संघ ने रूस पर नए प्रतिबंध का प्रस्ताव पेश किया है। हालांकि, संघ ने कहा है कि यह तभी कारगर होगा जब उसके सभी 27 सदस्य इस पर सहमत होंगे। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, मुंबई में 111.35 रुपये, कोलकाता में 106.0 रुपये और चेन्नई में 102.63 रुपये प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। बात डीजल की करें तो दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में इसकी कीमत क्रमशः 89.62 रुपये, 97.28 रुपये, 92.76 रुपये और 94.24 रुपये प्रति लीटर है। बड़े शहरों में पेट्रोल और डीजल की सबसे अधिक कीमत मुंबई में है।

मुर्गीदाना की बढ़ रही डिमांड, दुनिया में तेजी से बढ़ने वाला कारोबार बना

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुर्गी पालन यानि पोल्ट्री फार्मिंग का कारोबार इन दिनों दिन दूने रात चौगुने स्तर पर बढ़ रहा है। दुनिया में तेजी से बढ़ने वाला कारोबार बन रहा है। भारत में भी मुर्गी पालन में लोगों की रुचि बढ़ती ही जा रही है। मुर्गीपालन के व्यवसाय में जिस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है वह है मुर्गीदाना या पोल्ट्री फीड। मुर्गी पालकों के कुल खर्च का करीब 60 फीसदी खर्च पोल्ट्री फीड पर भी होता है। यही कारण है कि पोल्ट्री फीड बनाकर बेचना आज बहुत अच्छा व्यवसाय बन गया है। आमतौर पर इस काम में वे लोग ज्यादा हैं जो खुद मुर्गीपालन करते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां भी मुर्गीदाना तैयार करती हैं। पोल्ट्री फीड को इस तरह तैयार किया जाता है की मुर्गियों का विकास एक निश्चित समय में हो सके। अच्छा पोल्ट्री फीड को मुर्गीपालक हाथों हाथ खरीदते हैं। पोल्ट्री फीड मिल एक तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है। यह बिजनेस हर साल 15 प्रतिशत तेजी विकास कर रहा है। भारत में जिस गति से नए पोल्ट्री फार्म शुरू हो रहे हैं, उससे लगता है कि आने वाले दिनों में पोल्ट्री फीड की मांग में भारी इजाफा होगा। इसलिए अगर आप यह बिजनेस शुरू करते हैं तो आपको काफी मुनाफा हो सकता है। पोल्ट्री फीड बिजनेस शुरू करने के लिए आपके पास कम से कम 800 स्क्वेयर फीट से 1000 स्क्वेयर फीट जगह की आवश्यकता होगी। पोल्ट्री फीड बनाने के लिए आपको कुछ कच्चे माल की आवश्यकता होगी। इसके लिए आपको मक्का, बाजरा, सोयाबीन खली, सरसों की खली और ड्रायर्ड राइस ब्रॉन की आवश्यकता होगी। इनके अलावा आपको विटामिन और मिनरल्स की भी जरूरत होगी। मुर्गियों को उम्र के हिसाब से 3 अलग अलग प्रकार से फीड दिया जाता है जिससे उनकी पूरी तरह से ग्रोथ होती है।

एंबेसडर को नया लुक देने की कवायद, पीएम से लेकर डीएम तक की थी पहली पसंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगभग 70 सालों तक स्टेटस सिंबल रही प्रधानमंत्री से लेकर कलेक्टर तक की पहली पसंदीदा कार एंबेसडर अब नए अवतार में उतारने की तैयारी कर रही है। हिंद मोटर फाइनेंशियल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एचएमएफसीआई) और फ्रांस की कार कंपनी पिगाट इसके डिजाइन और इंजन पर काम कर रही हैं। एंबेसेडर का नया मॉडल हिंदुस्तान मोटर्स (एचएम) के चेन्नई प्लांट में बनाया जाएगा। नए अवतार में इसे एंबी नाम से जाना जाएगा और यह अगले दो साल में सड़कों पर आ सकती है। कभी भारत की सड़कों पर एंबेसडर की तूती बोलती थी। लेकिन मारुति के आने के बाद इसका जादू कम हो गया और कई साल तक यह केवल सरकारी खरीद पर जिंदा रही। साल 2014 में हिंदुस्तान मोटर्स (एचएम) ने भारी कर्ज और डिमांड की कमी का हवाला देते हुए एंबेसडर का उत्पादन बंद कर दिया था। एचएमएफसीआई सीके बिड़ला ग्रुप की कंपनी है। एचएम इसी कंपनी के अंडर काम करती है। एचएम के डायरेक्टर उत्तम बोस बताया कि एंबेसडर को एंबी अवतार में लाने के लिए काम चल रहा है। नए इंजन के लिए मैकेनिकल और डिजाइन का काम एडवांस स्टेज में पहुंच चुका है। एचएम के चेन्नई प्लांट से कभी मित्सुबिशी कारों का प्रॉडक्शन होता था जबकि उत्तरपाड़ा फैसलिटी में एंबेसडर बनाई जाती थी। इस फैसलिटी से आखिरी एंबेसडर कार 2014 में निकली थी। साल 2014 में देश की सबसे पुरानी कार कंपनी एचएम ने भारी कर्ज और मांग की कमी का हवाला देते हुए एंबेसडर का प्रॉडक्शन बंद कर दिया था। एचएम के ऑनर सीके बिड़ला ग्रुप ने इस कार ब्रांड को 2017 में 80 करोड़ रुपये में फ्रेंच कंपनी को बेच दिया था। पिगोट भारत में पैर जमाने के लिए बेकरार है। इस कंपनी ने 1990 के दशक के मध्य में भारत में एंट्री मारी थी।

यूजर का डाटा लीक होने पर ट्विटर पर लगा 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना

-सुरक्षा के लिए नए मानक तैयार करेगी कंपनी

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। माइक्रो ब्लॉगिंग कंपनी ट्विटर को बड़ा झटका लगा है। यूजर का डाटा लीक होने पर कंपनी पर 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना ठोका गया है। पिछले करीब छह साल की अवधि में यूजर के आंकड़े गोपनीय न रख सकने की वजह से ट्विटर को 15 करोड़ डॉलर का जुर्माना देना पड़ेगा। इसके साथ ही ट्विटर यूजर के आंकड़ों की सुरक्षा के लिए नए मानक भी तैयार करेगा। न्याय विभाग और संघीय व्यापार आयोग ने बुधवार को ट्विटर के साथ वाद निपटारे की घोषणा की। रेगुलेटर्स का आरोप है कि ट्विटर ने उपयोगकताओं को धोखे में रखते हुए 2011 के एफटीसी आदेश का उल्लंघन किया कि वह उनकी गैर-सार्वजनिक संपर्क जानकारी की गोपनीयता को सुरक्षित रखता है। अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया कि मई 2013 से सितंबर 2019 तक, ट्विटर ने यूजर को बताया कि वह अकाउंट की सुरक्षा के लिए उनके फोन नंबर और ईमेल का पता इकट्ठा कर रहा था। लेकिन कंपनी यह खुलासा करने में विफल रही कि वह इस सूचना का उपयोग कंपनियों को प्लेटफॉर्म पर यूजर्स को टारगेटेड ऑनलाइन विज्ञापन भेजने में सक्षम बनाने के लिए भी करेगी। रेगुलेटर्स ने बुधवार को दायर एक संघीय मुकदमे में यह भी आरोप लगाया कि ट्विटर ने झूठा दावा किया कि उसने यूरोपीय संघ और स्विट्जरलैंड के साथ अमेरिकी गोपनीयता समझौतों का अनुपालन किया है अमेरिकी अटॉर्नी स्टेफनी हिंड्स ने कहा, ह्यसोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी साझा करने वाले यूजरों को यह जानने का अधिकार है कि क्या उस जानकारी का उपयोग विज्ञापनदाताओं को ग्राहकों को लक्षित करने में मदद करने के लिए किया जा रहा है।ह्न पिछले 20 साल में फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे टॉप-10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 19 अरब एक्टिव यूजर्स हो चुके हैं। यानी 8 अरब की आबादी वाली दुनिया में औसतन हर इंसान 2 से ज्यादा प्लेटफॉर्म पर मौजूद है। इसका सबसे बड़ा नुकसान ये है कि फेक न्यूज और हेट स्पीच फैलने की रफ्तार भी कई गुना बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोनाकाल में सोशल मीडिया पर फेक न्यूज 900 प्रतिशत तक बढ़ गईं। फेसबुक पर मार्च और अप्रैल 2020 में हर महीने 4-5 करोड़ गलत सूचनाओं वाली पोस्ट की गईं और ट्विटर पर 15-20 लाख अकाउंट सिर्फ फेक न्यूज फैलाते रहे। यही नहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया की स्टडी कहती है, 30 मिनट से ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले ह्यअकेलेपनह्न की समस्या का भी शिकार हो रहे हैं।

बीएमडब्ल्यू ने भारतीय बाजार में उतारी पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक सेडान आई4

-इसकी शुरूआती कीमत 69.9 लाख रुपये

गुरुग्राम (ईएमएस)। लग्जरी कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने गुरुवार को भारतीय बाजार में पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक सेडान ह्यआई4 उतारी है। इसकी शुरूआती कीमत 69.9 लाख रुपये है। कंपनी ने नवंबर 2021 में अपनी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यात्रा के तहत देश में छह महीने के अंदर तीन इलेक्ट्रिक वाहन उतारने की योजना की घोषणा की थी। कंपनी पहले ही अपनी पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक एसयूवी ह्यआईएक्स और पूर्ण इलेक्ट्रिक मिनी लग्जरी हैचबैक उतार चुकी है। आई4 को पूर्ण रूप से तैयार इकाई के रूप में आयात किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू आई4 को कंपनी की वेबसाइट के द्वारा बुक किया जा सकता है। इसकी आपूर्ति जुलाई, 2022 की शुरूआत से शुरू होगी। कंपनी का दावा है कि आई4 5.7 सेकेंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि बीएमडब्ल्यू को अगले साल तक देश में उसकी कुल कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से ज्यादा होने की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विक्रम पावाह ने आई4 को पेश करने के दौरान कहा, हम विश्वस्तर पर पिछले 10 साल से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में सबसे आगे रहे हैं, भविष्य में भी हमें अग्रणी बने रहने की उम्मीद है।

दैनिक पंचांग

28 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

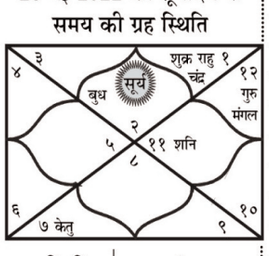

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.30 बजे से
चंद्र	मेष में	कर्क	08.43 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	10.59 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.11 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.22 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	17.37 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	19.53 बजे से
राहु	मेष में	मकर	21.58 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	23.44 बजे से
राहुकाल		मीन	01.17 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मेष	02.48 बजे से
		वृष	04.28 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 148 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 13.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 04.39 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** शोभन 22.22 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.10 बजे तदनन्तर विष्टि 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871262
जूलियन दिन 2459727.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सव्वाल **तारीख** 26
विशेष मासिक शिवरात्रि, अग्नि नक्षत्रम् समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

महिंद्रा की कारों पर वेटिंग पीरियड काफी ज्यादा

-एक्सयूवी700 एसयूवी का वेटिंग पीरियड साल-डेढ़ साल तक

नई दिल्ली(ईएमएस)। वर्तमान में महिंद्रा की कारों पर वेटिंग पीरियड काफी ज्यादा है और हद तो एक्सयूवी700 एसयूवी को लेकर है, क्योंकि इस एसयूवी के लिए वेटिंग पीरियड साल-डेढ़ साल तक है। जिन लोगों ने महिंद्रा एक्सयूवी700, थार या अन्य कारें बुक करा ली हैं, वे अपनी कार की डिलीवरी के लिए महीनों इंतजार करते हैं और ऐसे में वह अक्सर आनंद महिंद्रा से सोशल मीडिया पर सवाल पूछते हैं। आनंद महिंद्रा ने बीते दिनों साफ किया कि ग्लोबल सप्लाई चेन में दिक्कतों की वजह से कारों के उत्पादन पर असर पड़ा है और तय समय पर डिलीवरी न करने का यह सबसे बड़ा कारण है। दरअसल, बीते लंबे समय से भारत समेत दुनियाभर में सेमीकंडक्टर और चिप शॉर्टेज की वजह से कारों का प्रोडक्शन प्रभावित हुआ है। आनंद महिंद्रा से थॉमस कप विनर चिराग शेट्टी ने रिक्वेस्ट किया था कि कुछ समय पहले उन्होंने एक्सयूवी700 बुक कराई थी और उम्मीद करता हूं कि मुझे मेरी कार जल्द मिल जाएगी।

इसपर आनंद ने उन्हें आश्वस्त किया था कि वह पूरी कोशिश करेंगे। आपको बता दें कि भारत में 8 लाख से ज्यादा लोग अपनी कारों की डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं। इनमें से करीब 40 फीसदी सिर्फ मारुति सुजुकी की कारें हैं। इसके बाद टाटा मोटर्स, महिंद्रा, एमजी मोटर्स, किआ मोटर्स और ह्यूदै मोटर्स की कारों के लिए लाखों लोग प्रतीक्षारत हैं। लोग इस उम्मीद में कार बुक कराते हैं कि उनकी नई कार जल्द घर आ जाएगी, लेकिन कुछ-कुछ कारों के लिए तो एक साल से लेकर 2 साल तक इंतजार करना पड़ रहा है। मालूम हो कि भारत के प्रमुख बिजनेसमैन में से एक आनंद महिंद्रा इन दिनों अपने एक दिलचस्प बयान को लेकर काफी चर्चा में है। आनंद ने पिछले दिनों अपने एक ट्वीट में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी चिराग शेट्टी को रिप्लाई किया था कि उन्होंने भी महिंद्रा एक्सयूवी700 बुक कराई है और डिलीवरी का इंतजार कर रहे हैं।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पश्चिमी तिथि त्रियोदशी, शनिवासरे, भरणी नक्षत्रे, शोभन योगे, वणिक करणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा दो.1/22 तक चर्तुदर्शी क्रत वट सावित्री क्रत प्रारंभ, रोग स्नान मुर्हूत उग्रकर्म, पूर्व दिशा यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल वक्ता अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक, शिक्षा विद, शिक्षा शास्त्री, पंडित, विद्वान, कुशल वक्ता, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल, धनीमानी होगा।

मेष राशि :- यात्रा भय, कष्ट, व्यापार बाधा, लाभ, पारिवारिक समस्या उलझी ही रहेंगी।
वृष राशि :- शत्रुभय, रोग, स्वजन सुख, लाभ, शिक्षा-लेखन कार्य में सफलता, प्रगति के योग बनेंगे।
मिथुन राशि :- वाहन भय, कष्ट, हानि, अस्थिरता, अशांति का वातावरण रहेगा, ध्यान अवश्य रखें।
कर्क राशि :- सफलता, उन्नति, शुभ कार्य, विवाद, राजकार्य व मामले मुकदमे में स्थिति कष्टमय रहेगी।
सिंह राशि :- शरीर कष्ट, अपव्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार आदि के कार्य अवश्य ही होंगे।
कन्या राशि :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ अर्थ लाभ होगा।
तुला राशि :- यात्रा से हानि, राजलाभ, शरीर कष्ट तथा खर्च की यात्रा कष्टदायक होगी।
वृश्चिक राशि :- कार्यवृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, व्यापार में सुधार, खर्च होते ही रहेंगे।
धनु राशि :- अल्प लाभ, चोराग्नि भय, मानसिक परेशानी, अपवाद, उलझन का सामना करना पड़ेगा।
मकर राशि :- शत्रु से हानि, अपव्यय, शरीरिक सुख, कभी-कभी व्यवस्था कुछ तंग पड़ेगा।
कुंभ राशि :- शत्रु व्यय, संतान सुख, कार्य में सफलता, उत्साह की वृद्धि होगी।
मीन राशि :- पदोन्नति, राजभय, न्याय लाभ, धन हानि, अधिकारियों से मनमुटाव अवश्य ही होगा।

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 6

किसी को उम्मीद नहीं थी कि हम ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ेंगे : सविता

बेंगलुरू, (हि.स.)। पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में बेहतरीन प्रदर्शन करनी वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता ने कहा कि किसी को उम्मीद नहीं थी कि टीम ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल से आगे बढ़ेगी। हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गई एक पॉडकास्ट श्रृंखला हॉकी ते चर्चा के नवीनतम एपिसोड में उन्होंने कहा, "किसी को उम्मीद नहीं थी कि हम ओलंपिक खेलों में क्वार्टर फाइनल से आगे निकल जाएंगे। हमारे कई समर्थकों ने सोचा था कि हम शुरूआत में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचेंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि किसी को विश्वास था कि हम क्वार्टरफाइनल जीत सकते हैं। मैच के अंतिम सेकेंड तक जीतने और हार न मानने का यह उत्साह हमारे कोचिंग स्टाफ द्वारा पैदा किया गया था। हमें पता था कि हम टोक्यो की स्क्रिप्ट को बदल देंगे। सविता ने कहा, "टोक्यो में चौथे स्थान पर रहने के बाद, सभी ने हम पर ध्यान दिया। पहले, केवल पुरुष टीम से ही उम्मीदें थीं। लेकिन अब, लोग उम्मीद करते हैं कि महिलाएं भी हमारे द्वारा खेले जाने वाले किसी भी टूर्नामेंट में शीर्ष तीन में रहें और यह खेल के लिए अच्छा है।" बता दें कि अनुभवी गोलकीपर सविता को जुलाई में शुरू होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप से पहले यूरोप में एफआईएच प्रो लीग मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व सौंपा गया है। प्रो लीग और विश्व कप के लिए साई, बेंगलुरु में टीम की तैयारियों के बारे में बोलते हुए सविता ने कहा, "यूरोप में प्रो लीग मैचों के साथ-साथ महिला विश्व कप से पहले बहुत उत्साह है।

पिछली बार, हम क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुए थे लेकिन इस बार हम शीर्ष 4 में जगह बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।" ओलंपिक खेलों के स्थगन से निपटने के बाद, जो महामारी के कारण 2021 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था, भारतीय टीम को फिर से उसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जहां एशियाई खेलों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेकिन सविता ने उम्मीद जताते हुए कहा, "हम एक बार फिर इस स्थगन को एशियाई खेलों के लिए प्रशिक्षण और बेहतर तैयारी के अवसर के रूप में देखेंगे। ओलंपिक के लिए एक साल के स्थगन ने हमें सुधार करने के लिए और व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए महत्वपूर्ण समय दिया, मुझे जननेके के साथ मिलकर काम करना पड़ा, जिसका एक गोलकीपर के रूप में मेरे सुधार पर बहुत प्रभाव पड़ा।"

किरण प्रभु नवगीरे की पारी ने हमें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया : स्मृति मंधाना

पुणे, (हि.स.)। वेलोसिटी पर गुरुवार को जीत के बाद ट्रेलब्लेजर की कप्तान स्मृति मंधाना ने किरण प्रभु नवगीरे की प्रशंसा की, जिन्होंने महिला टी 20 चैलेंज में मंधाना की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ शानदार अर्धशतक जमाया। सबभिनेनी मेघना और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार पारियों की बदौलत ट्रेलब्लेजर ने महिला टी20 चैलेंज में वेलोसिटी पर 16 रनों से जीत दर्ज की। मैच जीतने के बावजूद ट्रेलब्लेजर की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई, क्योंकि वेलोसिटी का नेट रन रेट ट्रेलब्लेजर से अच्छा था। मैच के बाद मंधाना ने कहा, "हम परिदृश्य को जानते थे और हमें पता था कि हमें क्या मिलेगा, लेकिन बल्लेबाजों ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उस पर वास्तव में गर्व है। हमारे पास एक अच्छा मौका था, लेकिन किरण प्रभु नवगीरे ने जिस तरह से बल्लेबाजी की ... उससे हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं मैं थोड़ा दुखी था कि वह हमारे खिलाफ हिट कर रही थी लेकिन एक भारतीय खिलाड़ी के रूप में थोड़ी खुश थी कि वह कड़ी मेहनत कर रही हैं।" मैच की स्टार किरण नवगीरे की 69 रनों की पारी ने उनकी टीम को 158 का आंकड़ा पार करने में मदद की और हारने के बाद भी फाइनल में जगह बनाई। मंधाना ने नवगीरे की तारीफ करते हुए कहा कि जब उनकी पारी की पहली ही गेंद पर बल्लेबाज ने छक्का लगाया तो वह हैरान रह गईं। नवगिरे ने 69 रन की पारी में पांच छक्के और पांच चौके लगाए। भारतीय महिला टीम के लिए आगामी टूर्नामेंटों के बारे में बात करते हुए मंधाना ने कहा, "भारतीय टीम के लिए एक बड़ा साल आने वाला है, बहुत सारे टी20 मैच आने वाले हैं। मैं भारत के लिए अधिक से अधिक मैच जीतने की योजना बना रही हूं और जीत सकती हूं।" इस मैच की बात करें तो मुकाबले में ट्रेलब्लेजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघना (73) और जेमिमाह (66) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। वेलोसिटी, सिमरन बहादुर ने दो और केट क्रॉस, स्नेह राणा और अयाबोंगा खाका ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में वेलोसिटी ने किरण नवगीरे (69) के बेहतरीन अर्धशतक और शेफाली वर्मा के 15 गेंदों पर बनाए गए 29 रनों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। ट्रेलब्लेजर को फाइनल में प्रवेश करने के लिए वेलोसिटी को 158 रनों के भीतर रोकने की जरूरत थी, लेकन वे इसमें विफल रहे। महिला टी20 चैलेंज का फाइनल शनिवार को पुणे के एमसीए स्टेडियम में वेलोसिटी और सुपरनोवा के बीच खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची 2022-23 से बाहर हुई तेज गेंदबाज ली ताहुहू

वेलिंगटन, (हि.स.)। तेज गेंदबाज ली ताहुहू को न्यूजीलैंड की केंद्रीय अनुबंध सूची से हटा दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को 2022-23 सत्र के लिए महिला क्रिकेटरों की केंद्रीय अनुबंधों की सूची जारी की। 17 सदस्यीय सूची में छह नए चेहरों को शामिल किया गया है। एमी सैटरथवेट, ली ताहुहू, फ्रेंकी मैके, ब्लेज डुओ, लेह कास्पेरेक और थाम्सिन न्यूटन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों को अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने 2022-23 के लिए अपनी 17-खिलाड़ियों की सूची में जिन नए छह खिलाड़ियों को शामिल किया है, उनमें फ्रैन जोनास, मौली पेनफोल्ड, इजी गेज, नेन्सी पटेल, ईडन कार्सन और जॉर्जिया प्लिमर शामिल हैं। ब्रायन स्ट्रोनाच (न्यूजीलैंड क्रिकेट रे हाई-परफॉर्मेंस क्रिकेट जीएम) ने स्वीकार किया कि टीम के हित में कुछ कठिन फैसले किए जाने थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने व्हाइट फर्न्स क्रिकेट के अगले कुछ सीजन पर विचार किया। स्ट्रोनाच ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, "अंतिम 17 खिलाड़ियों के साथ आना कभी आसान नहीं होता है। हम अनुबंध प्राप्त करने वाले छह नए चेहरों के बारे में उत्साहित हैं, जिनमें से कई के पास पहले से अंतरराष्ट्रीय अनुभव है।" उन्होंने कहा, " कुछ खिलाड़ी 'स्पष्ट रूप से' अनुबंध सूची से बाहर किये जाने से निराश होंगे। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है और हमारे पूर्ण सम्मान को बनाए रखा है। सिर्फ इसलिए कि किसी को राष्ट्रीय अनुबंध की पेशकश नहीं मिली है, इसका मतलब यह नहीं है कि हम उनका चयन नहीं कर सकते हैं, या नहीं करेंगे।"

वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची इस प्रकार है : सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, सोफी डिवाइन, लॉरेन डाउन, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, हेले जेन्सेन, फ्रैन जोनास, जेस केर, मेली केर, रोजमेरी मैयर, जेस मैकफैडेन, नेन्सी पटेल, मौली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर और हन्ना रोवे।

राहुल कप्तानी के लिए सही नहीं : मांजरेकर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि लोकेश राहुल कप्तानी के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि आईपीएल में जिस प्रकार राहुल ने एक ही गलती दोहरायी है उससे यह साबित होता है। जिम्मेदारी निभाने के लिए सही खिलाड़ी नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों ने लंबे समय तक आईपीएल में मुख्य बल्लेबाज और कप्तान की जिम्मेदारी एक साथ निभाई है पर राहुल इसमें खरे नहीं उतरें। इससे जाहिर है कि वह इस भूमिका में फिट नहीं हैं। मांजरेकर ने कहा कि एक कोच के रूप में मैं राहुल से बस यह कहना चाहूंगा कि वह अपने दिमाग से निकाल दें कि वह टीम को मैच जिताने जा रहे हैं। आप बस मैदान में जाइए और अपने खेल का आनंद लिजिए। आपको पहले दिन से ही उनके खेल में फर्क दिखने लगेगा। ऐसा आप उनके आंकड़ों से भी समझ सकते हैं। एलीमिनेटर मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ खेली राहुल की पारी पर मांजरेकर ने कहा कि उनकी टीम को तब फायदा होता जब राहुल लंबा खेलने की बजाय तेज खेलने की सोचते। साथ ही कहा कि इससे पहले जब राहुल पंजाब किंग्स के कप्तान थे, तब भी उनके साथ ऐसा हो रहा था। वह बड़ी पारियां खेलते तो थे पर उनकी टीम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहती थी। राहुल इस साल दूसरी टीम के कप्तान बन गये पर उनका रवैया वही है। उन्हें खेल के प्रति अपना रुख बदलना होगा।

अपना 60वां जन्मदिन मना रहे रवि शास्त्री, सचिन सहित कई क्रिकेटरों ने दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री आज अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें बधाई दी। सचिन ने अपने ट्विटर पर लिखा, "एक टीम के साथी और एक दोस्त को जन्मदिन मुबारक हो जो क्रिकेट में सांस लेता है और हमेशा मेरे साथ क्रिकेट पर चर्चा करता था! आशा है कि आप डॉक्टर के आदेश की तरह अपना जन्मदिन मना रहे हैं, रवि!" इस बीच, पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने लिखा, "पिछले कुछ दशकों में भारतीय क्रिकेट में कोई भी प्रतिष्ठित क्षण चुनें और आप वहां रवि शास्त्री को पाएंगे। मैदान पर, कमेंट्री कॉम बॉक्स में या ड्रेसिंग रूम में। इंडियन क्रिकेट मैन को जन्मदिन की शुभकामनाएं।" पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ट्वीट किया, "आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं रवि भाई। आप हमेशा आगे बढ़ते रहो।" शास्त्री के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 43 टेस्ट खेले, जिसमें से टीम ने 25 जीते और 13 हारे। इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया 2021 में पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है और सीरीज का फाइनल मैच इसी साल खेला जाएगा। शास्त्री के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 76 वनडे और 65 टी20 मैच खेले। भारतीय टीम 51 एकदिवसीय और 43 टी 20 जीतने में सफल रहा। भारतीय टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में हावी रही। लेकिन दुख की बात है कि शास्त्री और विराट कोहली 2021 में आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप का खिताब घर नहीं ला सके, जो शास्त्री का अंतिम टूर्नामेंट भी बन गया।

उमरान फिट रहे तो लंबे समय तक खेलेंगे : गांगुली

मुम्बई (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए तेज गेंदबाजी उमरान मलिक ने अपनी तेज गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए भी टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा है कि है इस खिलाड़ी का भविष्य उसके हाथ में है। अगर वह फिट रहता है और इसी गति से गेंदबाजी करता है तो मुझे भरोसा है कि वह लंबे समय तक खेलेगा। गांगुली ने उमरान के अलावा मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक सनराइजर्स के बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सहित अन्य युवा खिलाड़ियों की भी जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि आईपीएल से युवा प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। जिससे कई खिलाड़ी सामने आ रहे हैं।

29 मई से एक्सेलसन के साथ अभ्यास करेंगे लक्ष्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को विश्व के नंबर एक बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन के साथ अभ्यास के लिए अनुमति मिल गयी है। आगामी बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों को देखते हुए ही लक्ष्य को यह अनुमति दी गयी है। खेल मंत्रालय ने कहा, लक्ष्य 29 मई से पांच जून (आठ दिन) तक दुबई में एक्सेलसन के साथ अभ्यास करेंगे। जिसके बाद वह 19 जून को मलेशिया के कुआलालंपुर में मलेशियाई ट्रेनिंग सेंटर में 19 से 26 जून (आठ दिन) तक ट्रेनिंग लेंगे। वहीं महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू भी टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के लिए अपने साथ फिटनेस ट्रेनर एम श्रीकांत को भी दौरे पर ले जा सकेंगी। खेल मंत्रालय के एक अन्य बयान में कहा गया, राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के लिये ट्रेनिंग के दोनों प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इसमें सिंधू ओर उनके फिजियो का हवाई यात्रा, ठहरने और अन्य खर्चा शामिल रहेगा।

मंत्रालय ने साथ ही सिंधू की अपने फिटनेस ट्रेनर को साथ ले जाने के लिये वित्तीय सहायता के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

किरण नवगीर की बल्लेबाजी को मैदान से बाहर बैठकर देखना मजेदार था : दीप्ति शर्मा

पुणे, (हि.स.)। वेलोसिटी की कप्तान दीप्ति शर्मा ने कहा कि ट्रेलब्लेजर के खिलाफ सभी खिलाड़ी, विशेष रूप से किरण नवगीर की 69 रन की पारी असाधारण थी, साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी टीम महिला टी 20 चैलेंज के फाइनल में मजबूत वापसी करेगी। बता दें कि सबभिनेनी मेघना और जेमिमाह रोड्रिग्स की शानदार पारियों की बदौलत ट्रेलब्लेजर ने महिला टी20 चैलेंज में वेलोसिटी पर 16 रनों से जीत दर्ज की। मैच जीतने के बावजूद ट्रेलब्लेजर की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई, क्योंकि वेलोसिटी का नेट रन रेट ट्रेलब्लेजर से अच्छा था। मैच की स्टार किरण नवगीरे की 69 रनों की पारी ने उनकी टीम को 158 का आंकड़ा पार करने में मदद की और हारने के बाद भी फाइनल में जगह बनाई। शर्मा ने नवगीरे की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी को मैदान से बाहर बैठकर देखना मजेदार था। मैच के बाद दीप्ती ने कहा, "फाइनल में आने के लिए उत्साहित हूं। जिस तरह से हमने दोनों पारियों में एक टीम के रूप में खेला वह असाधारण था। दूसरे हाफ में, हमने अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि किरण ने जिस तरह से बल्लेबाजी की वह असाधारण से कम नहीं था। उस्की बल्लेबाजी को मैदान से बाहर बैठकर देखना मजेदार था।" ट्रेलब्लेजर्स को अतिरिक्त 25-30 रन देने के बारे में बात करते हुए शर्मा ने कहा, "हमने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अपना बल्लेबाजी क्रम तय किया. हमने क्षेत्ररक्षण के कारण 25-30 रन अतिरिक्त दिए और उम्मीद है कि हम अगले मैच में वापसी करेंगे।" इस मैच की बात करें तो मुकाबले में ट्रेलब्लेजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेघना (73) और जेमिमाह (66) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। वेलोसिटी, सिमरन बहादुर ने दो और केट क्रॉस, स्नेह राणा और अयाबोंगा खाका ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में वेलोसिटी ने किरण नवगीरे (69) के बेहतरीन अर्धशतक और शेफाली वर्मा के 15 गेंदों पर बनाए गए 29 रनों की बदौलत 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। ट्रेलब्लेजर को फाइनल में प्रवेश करने के लिए वेलोसिटी को 158 रनों के भीतर रोकने की जरूरत थी, लेकन वे इसमें विफल रहे। महिला टी20 चैलेंज का फाइनल शनिवार को पुणे के एमसीए स्टेडियम में वेलोसिटी और सुपरनोवा के बीच खेला जाएगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में हो रही राजनीति : लैंगर

पर्थ (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने देश के क्रिकेट बोर्ड (सीए) के साथ ही उसके अंतरिम प्रमुख रिचर्ड फ्रेउडेनस्टेन पर निशाना साधा है। लैंगर ने कहा कि सीए में जमकर राजनीति हो रही है। लैंगर ने इसी साल कोच पद छोड़ दिया था। लैंगर के कोच रहते ही टीम ने पहले बार टी20 विश्व कप जीता था। इसके अलावा टीम ने एशेज श्रृंखला में भी शानदार जीत दर्ज की थी। इसके बाद उनका कोच पद का कार्यकाल बढ़ाये जाने की उम्मीद बन रही थी। पूर्व खिलाड़ियों मार्क वॉ, एडम गिलक्रिस्ट, रिकी पोंटिंग, स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन और दिवंगत शेन वॉर्न सहित कई पूर्व खिलाड़ियों ने लैंगर के साथ किए गए व्यवहार की आलोचना की है। लैंगर ने एक कार्यक्रम में कहा, ह्यसबसे पहले रिचर्ड ने मुझसे कहा कि तुम्हें यह अच्छा लग रहा होगा कि तुम्हारे सभी साथियों का समर्थन तुम्हें मिला है।' तब मैंने कहा कि यह बात बिलकुल सही है क्योंकि ये सभी लोग बड़े खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्रिस सिल्वरवुड के इंग्लैंड का कोच बनने के बाद उन्होंने इस बारे में किसी से कोई बात नहीं की है।

पेरिस के रोला गैरा में स्पेन की पाउला बैडोसा फ्रैच ओपन टेनिस में खेलती हुई।

(फोटो-ईएमएस)

एशियाई कप क्वालीफायर से पहले जॉर्डन से भिड़ने को तैयार भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय फुटबॉल टीम शनिवार (28 मई, 2022) को दोहा में एक दोस्ताना मैच में जॉर्डन से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। जॉर्डन के खिलाफ भारतीय टीम का यह मुकाबला एएफसी एशियाई कप चीन 2023 क्वालीफायर से पहले आखिरी तैयारी मैच है। एएफसी एशियाई कप 2023 क्वालीफायर मुकाबला 8 जून 2022 से कोलकाता में शुरू होगा। जॉर्डन के खिलाफ मैच कतर स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, और इसकी शुरूआत भारतीय समयानुसार रात 9.30 बजे (कतर समय 7 बजे) से होगी। हेड कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, "एक मजबूत टीम के खिलाफ एक और मैच हमेशा मदद करेगा। क्वालीफायर से पहले यह हमारा आखिरी दोस्ताना मैच है और हमें कुछ सवालों के अंतिम जवाब हासिल करने की जरूरत है। हमारे कुछ युवाओं के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक अनुभव हासिल करने का एक शानदार अवसर होगा।" टीम एक महीने से अधिक समय से तैयारी शिविर में है, पहले बेल्लारी में, और फिर कोलकाता में। कोच ने उल्लेख किया कि टीम के फिटनेस का स्तर काफी अच्छा है। स्टिमैक, जो फीफा विश्व कप फ्रांस 98 में तीसरे स्थान पर रही क्रोएशियाई विश्व कप टीम का हिस्सा थे, ने कहा, फिटनेस का स्तर काफी अच्छा है। हमारे सामने एक और 10 दिन हैं, और यह एकदम सही होना चाहिए। लड़कों ने बहुत अच्छा काम किया है, और उन्हें क्वालीफायर में कुछ अच्छे परिणामों के साथ पुरस्कृत करने की आवश्यकता है। जॉर्डन को एक विरोधी के रूप में संदर्भित करते हुए, कोच ने कहा, जॉर्डन (फीफा रैंकिंग 91) बेलारूस (फीफा रैंकिंग 93) से बेहतर है, लेकिन बेलारूस की तरह शारीरिक रूप से तेज नहीं है। इसलिए हमारे लिए बिल्ड-अप और गेंद पर कब्जे के मामले में यह थोड़ा आसान होना चाहिए।" भारतीय टीम वर्तमान में फीफा रैंकिंग में 106 वें स्थान पर है। टीम ने मार्च 2022 में फीफा इंटरनेशनल विंडो में एक आधिकारिक मैच में बेलारूस से खेला था, जहां टीम को 3-0 से हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच, एटीके मोहन बागान के खिलाड़ियों के शामिल होने से भारतीय टीम को मजबूती मिली है, जिनमें से सभी एएफसी कप में अपने क्लब की प्रतिबद्धताओं के कारण अब तक तैयारी शिविर में शामिल नहीं हुए थे। स्टिमैक ने कहा, वे 7 दिनों में 3 मैच खेलने के बाद 26 मई, 2022 की सुबह आए, और इसलिए, हमें उनसे सावधान रहने की जरूरत है। उनके ठीक होने के लिए हमारे पास अभी भी 36 घंटे से अधिक का समय है, उसके बाद मैं यह निर्णय लूंगा कि उन्हें 28 को मैदान में उतारा जाए या नहीं। जॉर्डन के खिलाफ मैच के लिए 25 सदस्यीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, लक्ष्मीकांत कट्टिमणि, अमरिंदर सिंह।

डिफेंडर: राहुल भेके, प्रीतम कोटल, हरमनजोत सिंह खाबरा, अनवर अली, संदेश झिंगन, सुभाशीष बोस, रोशन सिंह, आकाश मिश्रा।

मिडफील्डर: उदंता सिंह, जैकसन सिंह, अनिरुद्ध थापा, ग्लेन मार्टिंस, ब्रैंडन फर्नांडीस, ऋत्विक दास, यासिर मोहम्मद, सहल अब्दुल समद, सुरेश वांगजाम, आशिक कुरुनियान, लिस्टन कोलाको।

फॉरवर्ड: ईशान पंडिता, सुनील छेत्री, मनवीर सिंह।

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 7

सोनिया गांधी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

-अशोक गहलोत, भूपेश बघेल सहित वरिष्ठ कांग्रेसियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की आज यानी कि 27 मई को 58वीं पुण्यतिथि है। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पार्टी ने आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को भी याद किया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शांति वन जाकर नेहरू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेहरू को याद करते हुए ट्वीट किया, 'निधन के 58 वर्ष के बाद भी पंडित जवाहलाल नेहरू के विचार, राजनीति और हमारे देश के लिए उनका दृष्टिकोण उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले रहा है। कामना है कि भारत के इस अमर सपूत के मूल्य हमारे कदमों और विवेक का मार्गदर्शन करते रहें'। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, 'आधुनिक स्वतंत्र भारत के निमार्ता और भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक व विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाने वाले भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।' राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया। 27 मई, 1964 को जवाहर लाल नेहरू ने अंतिम सांस ली थी। बता दें कि पंडित जवाहर लाल नेहरू देश के पहले प्रधामनमंत्री थे, जिन्होंने करीब 17 साल तक देश की कमान संभाली। 15 अगस्त 1947 को जब देश आजाद हुआ और जब जवाहर लाल नेहरू ने अंतिम सांस ली, तबतक वह देश के प्रधानमंत्री रहे। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। साल 1964 में तबीय खराब होने के चलते 74 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी 31 मई को करेंगे किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी

शिमला (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को शिमला से देश के किसानों को किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान वह 773 जिलों के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ संवाद भी करेंगे। इस संवाद कार्यक्रम में 17 केंद्रीय योजनाओं के 240 लाभार्थी सीधे जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के आठ साल पूरे होने पर यह प्रमुख कार्यक्रम होगा। चूंकि हिमाचल प्रदेश में इस साल के आखिर में चुनाव है, ऐसे में शिमला में कार्यक्रम किए जाने का अपना राजनीतिक महत्व भी है। इस दौरान शिमला के रिज मैदान में मोदी एक सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी जिन प्रमुख योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे, उनमें पीएम आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम उज्जवला योजना, पोषण अभियान, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम मुद्रा योजना, आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, एक देश एक राशनकार्ड, पीएम मातृ वंदना योजना, स्वच्छ भारत अभियान व जल जीवन मिशन शामिल हैं। राज्यसभा चुनाव के बहाने सपा ने तीन निशाने साधे हैं। नाराज चल रहे आजम खान को मनाने के लिए उनके वकील रहे कपिल सिब्बल को अपने समर्थन से प्रत्याशी बनाया, सिब्बल जैसे कद्दावर नेता से कांग्रेस को अलविदा कहलवाकर झटका दिया और जयंत चौधरी को उम्मीदवार बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की कि हमारा दोस्ताना 2024 तक जारी रहेगा।

कार्ति चिदंबरम ने लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र, सीबीआई पर लगाया विशेषाधिकार उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पर संसद के विशेषाधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया है। चिदंबरम ने बिरला से इस मामले की शिकायत की है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा कि वे संसद की सूचना और प्रौद्योगिकी की स्थायी समिति के सदस्य हैं। सीबीआई ने गत दिनों तथाकथित छापेमारी के दौरान समिति से संबंधित उनके अत्यधिक गोपनीय और संवेदनशील व्यक्तिगत कागजात जब्त कर लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जांच एजेंसी ने उनके ड्राफ्ट नोटस और उन सवालों को भी जब्त कर लिया है, जो संसद में वे पूछना चाहते थे।

दिल्ली के दो अस्पतालों में लगी आग

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली के दो अलग-अलग अस्पतालों में शुक्रवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही दोनों मामलों में मौके पर पहुंची दमकल विभाग की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस दोनों मामलों में आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि आग की पहली घटना शुक्रवार सुबह 8.10 बजे की है। दमकल विभाग को सूचना मिली कि लक्ष्मी नगर स्थित मक्कड़ अस्पताल के दूसरे तल में आग लगी है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मी ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के दौरान एक मरीज को आईसीयू से बाहर निकाला गया। आग जरनेटर में लगी थी। आग की दूसरी घटना सफदरजंग अस्पताल की है। दमकल विभाग को शुक्रवार सुबह 8.46 बजे सूचना मिली कि सफदरजंग अस्पताल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेगा गया। दमकल की गाड़ियों ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। यह आग इंटवर्टर में लगी थी। इससे जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। दमकल विभाग के अनुसार, आग अस्पताल के दूसरे तल में लगी थी। यहां बर्न (जलने वाले मरीजों) का कमरा भी है। फिलहाल पुलिस दोनों घटनाओं की जांच कर रही है।

केदारनाथ यात्रियों को पीठ पर बिठाकर ले जाने वाले घोड़े-खच्चरों की आई शामत, 16 दिन में 59 की मौत

रुद्रप्रयाग (ईएमएस)। केदारनाथ यात्रा में अहम भूमिका निभाने वाले घोड़े-खच्चरों की कद्र नहीं की जा रही है। इनके लिए न खाने-पीने की समुचित व्यवस्था की जाती है, और रहने की। केदारनाथ पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के मरने के बाद उनके मालिक उन्हें वहीं पर फेंक देते हैं, जो सीधे मंदाकिनी नदी को प्रदूषित करते हैं। ऐसे में केदारनाथ क्षेत्र में महामारी फैलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। वहीं, अभी तक एक लाख 25 हजार तीर्थयात्री घोड़े-खच्चरों से अपनी यात्रा कर चुके हैं, जबकि अन्य तीर्थयात्री हेलीकॉप्टर और पैदल चलकर धाम पहुंचे हैं। समुद्रतल से 11750 फिट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ तक पहुंचने के लिए बाबा केदार के भक्तों को 18 से 20 किमी की दूरी तय करनी होती है। इस दूरी में यात्री को धाम पहुंचाने में घोड़ा-खच्चर अहम भूमिका निभाते हैं। इन जानवरों के लिए भरपेट चना, भूसा और गर्म पानी भी नहीं मिल पा रहा है। तमाम दावों के बावजूद पैदल मार्ग पर एक भी स्थान पर घोड़ा-खच्चर के लिए गर्म पानी नहीं है। दूसरी तरफ, संचालक और हॉकर रुपए कमाने के लिए घोड़ा-खच्चरों से एक दिन में गौरीकुंड से केदारनाथ के 2 से 3 चक्कर लगवा रहे हैं और रास्ते में उन्हें पलभर भी आराम नहीं मिल पा रहा है, जिस कारण वह थकान से चूर-चूर होकर दर्दनाक मौत का शिकार हो रहे हैं। आंकड़े बताने के लिए काफी हैं कि केदारनाथ की रीढ़ कहे जाने वाले इस जानवर की कितनी सुध ली जा रही है। सिर्फ 16 दिनों में 55 घोड़ा-खच्चरों की पेट में तेज दर्द उठने से मौत हो चुकी है, जबकि 4 घोड़ा-खच्चरों की गिरने से और एक की पत्थर की चपेट में आने से मौत हुई है। इसके बाद भी घोड़े-खच्चरों की सुध नहीं ली जा रही है। घोड़ा-खच्चरों का संचालन करने वाले जिला पंचायत रुद्रप्रयाग की अध्यक्ष अमरदेई शाह ने कहा कि गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक कहीं पर भी घोड़े-खच्चरों के लिए आराम करने के लिए टिन शेड का निर्माण नहीं किया गया है और न अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। घोड़े-खच्चर मालिक भी अपने जानवरों के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। उन्होंने कहा कि घोड़ा-खच्चर संचालक और हॉकर घोड़ा-खच्चरों की सुध नहीं ले रहे हैं, जो बड़ा अपराध है।

संभाजी राज्यसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे, मुख्यमंत्री पर लगाया वचन का पालन नहीं करने का आरोप

मुंबई, (हि.स.)। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज संभाजी राजे भोसले ने शुक्रवार को 10 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर अपने वचन का पालन न करने का आरोप लगाया है। छत्रपति संभाजी राजे ने शुक्रवार को मुंबई में पत्रकारों को बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्यसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाडी सरकार की ओर से शिवसेना समर्थित उम्मीदवार बनने का आफर दिया था। लेकिन बाद में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उन्हें शिवसेना में शामिल होने के लिए कहा, जिसके लिए मैं तैयार नहीं हुआ। संभाजी राजे ने बताया कि वे सभी दलों के विधायकों को पत्र लिखे थे और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा सदस्य बनना चाहते थे। लेकिन मुख्यमंत्री का सम्मान रखते हुए वे महाविकास आघाड़ी सरकार की ओर से शिवसेना समर्थित उम्मीदवार बनने के लिए तैयार हो गए थे। लेकिन जब उन्हें शिवसेना में शामिल होने को कहा गया तो उन्होंने चुनाव न लडने का निर्णय लिया। संभाजी राजे ने कहा कि अगर वे चुनाव लड़ते तो चुनाव में विधायकों की खरीद-फरोख्त की संभावना को नकारा नहीं जा सकता था, इसी वजह से उन्होंने चुनाव न लडने का निर्णय लिया। अब वे स्वराज्य संगठन के माध्यम से जनता की सेवा करेंगे और उन्हें संगठित करने का प्रयास करेंगे।

फारूक अब्दुल्ला फिर आए ईडी के रडार पर

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को प्रवर्तन निदेशालय ने तलब किया है। अब्दुल्ला को कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। खास बात है कि इससे पहले ईडी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख की 12 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच के संबंध में नोटिस जारी किया था। खबर है कि ईडी करीब 94 करोड़ रुपये की हेराफेरी के मामले में अब्दुल्ली से पूछताछ करेगी। पूर्व सीएम को 31 मई को ईडी के श्रीनगर दफ्तर में पूछताछ के लिए बुलाया है। अब्दुल्ला ने दिसंबर 2020 में जारी हुए ईडी के आदेश को जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। ईडी ने आरोप लगाए थे कि अब्दुल्ला ने जम्मू और कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के तौर पर पद का 'दुरुपयोग' किया था। आरोप लगाए गए थे की एनसी नेता ने 2001 से 2011 के बीच कई नियुक्तियां की, ताकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के प्रायोजित रकम को हासिल किया जा सके। अब्दुल्ला ने कहा था कि ईडी की तरफ से अटैच की गई संपत्तियां कथित आपराधिक गतिविधियों से संबंधित नहीं हैं। उस दौरान उन्होंने मूल अधिकारों के हनन का आरोप लगाया था।

मप्र में पंचायत चुनाव कार्यक्रम घोषित, तीन चरणों में होगा मतदान

-पहले चरण में 25 जून, दूसरे में 1 जुलाई और तीसरे चरण में 8 जुलाई होगा मतदान, 14 जुलाई होगी मतगणना

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। पंचायत चुनाव तीन चरणों में संपन्न होंगे। पहले चरण के चुनाव 25 जून, दूसरे चरण के 1 जुलाई और तीसरे चरण के चुनाव 8 जुलाई को होंगे, जबकि मतगणना 14 जुलाई को होगी। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही राज्य में आदर्श आचार संहिता भी लागू हो गई है। शुक्रवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने एक पत्रकार वार्ता के दौरान पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। सिंह ने बताया कि राज्य शासन ने पंचायतों का आरक्षण पूरा कर राज्य चुनाव आयोग को सूचना दे दी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक एक जून तक हमें चुनाव कराना था। बरसात के मद्देनजर हम पंचायत चुनाव की तैयारी पहले से कर रहे हैं। नगरीय निकाय में हालांकि बारिश की वजह से ज्यादा दिक्कत नहीं होती है। बारिश में मतदान दलों को पहुंचने में दिक्कत होती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में यह चुनाव 4 लाख पदों के लिए होंगे। चुनाव की अधिसूचना 30 मई को कलेक्टर जारी करेंगे और 6 जून तक नामांकनपत्र स्वीकार किए जाएंगे। इसके अगले दिन 7 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नाम वापसी 10 जून को शाम 3 बजे आवेदन लिए जा सकेंगे। इसके ठीक बाद चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करके उन्हें चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। सभी पंचायत क्षेत्र के लिए आचार संहिता आज से लागू कर दी गई है। नगरीय निकाय में इसका प्रभाव नहीं होगा। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 25 जून, दूसरे 1 जुलाई और तीसरे चरण के चुनाव 8 जुलाई को होंगे। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इस बार जिला पंचायत और जनपद पंचायत सदस्य का चुनाव भी मतपत्र से होगा। अभी तक यह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से होता था। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 115 जनपद पंचायतों में चुनाव होंगे। इसके लिए 27049 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। दूसरे चरण में 106 जनपद पंचायतें हैं। ग्राम पंचायतों की संख्या 7661 है।

दूसरे चरण में 23,988 केंद्रों पर मतदान होगा। तीसरे चरण में सिर्फ 92 जनपद पंचायतें हैं। प्रत्येक चरण में 6649 ग्राम पंचायतें हैं। जबकि मतदान केंद्र 20606 हैं। पांच जिलों में एक चरण में ही चुनाव हो जाएगा, जबकि आठ जिलों में दो चरणों में पंचायत चुनाव होंगे और बाकी 39 जिलों में तीन चरणों में चुनाव होगा। मतगणना 14 जुलाई को होगी, जबकि जिला पंचायत सदस्य का परिणाम 15 जुलाई को आएगा। उल्लेखनीय है कि पंचायत चुनाव के लिए सरकार ने नए परिसीमन के आधार पर आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। पंच, सरपंच, जिला व जनपद पंचायत के सदस्य और जनपद अध्यक्षों के पदों का आरक्षण हो चुका है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो गई है। इस-के बाद कोई भी नए काम, जो सीधे मतदाताओं को प्रभावित करते हैं, नहीं किए जा सकेंगे। हालांकि जो कार्य पूर्व से प्रचलित हैं, उन पर कोई रोक नहीं होगी।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख
प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक
कला सहयोगी-मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर
•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
83750 00628

ADVERTISMENT RATE
TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 28 may 2022:Layout 1 5/27/2022 7:20 PM Page 8

फिल्म भूल भुलैया 2 की सक्सेस को एन्जॉय कर रहे कार्तिक आर्यन

-बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को मिल रहा अच्छा रिस्पांस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन आजकल फिल्म भूल भुलैया 2 की सक्सेस को एन्जॉय कर रहे हैं। फिल्म में उनके अपॉजिट कियारा आडवाणी हैं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म में तब्बू का भी अहम किरदार है। कार्तिक फिल्म की सक्सेस को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इस बीच कार्तिक ने खुलासा किया कि उन्होंने एक बॉलीवुड एक्ट्रेस को डेट किया। इसके साथ ही उन्होंने लिंक-अप रुमर्स और प्यार में धोखा खाने की बात भी कही। कार्तिक आर्यन से एक इंटरव्यू दौरान पूछा कि क्या उन्होंने किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस को डेट किया है? कार्तिक ने बिना किसी का नाम लिए इसका हां में जवाब दिया। उन्होंने इंडस्ट्री में प्यार और धोखे के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि अगर दो कलाकार एक साथ काम कर रहे हैं और कॉफी के लिए बाहर जाते हैं, तो यह बताया जाता है कि वे डेट कर रहे हैं। कार्तिक आर्यन ने आगे कहा कि वह उन्हें अपने को-एक्टर्स को उनके दोस्तों के साथ घूमने से नहीं रोकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर चार लोग बाहर जाते हैं, तो भी मीडिया सिर्फ दो की तस्वीरें पब्लिश करता है, जैसे दोनों रिलेशनशिप में हैं और एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

इसकी वजह से बाद में जब वे किसी और के साथ स्पॉट हो जाते हैं तो अजीब लगता है, जैसे किसी ने धोखा दे दिया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि कार्तिक आर्यन अपनी लव आज कल की को-एक्ट्रेस सारा अली खान के साथ रिलेशनशिप में थे। हालांकि, वे जल्द ही कुछ पर्सनल वजहों से अलग हो गए। हालांकि कार्तिक-सारा ने आधिकारिक तौर पर अपने रिलेशनशिप का अनाउंसमेंट नहीं किया था। सारा ने कॉफी विद करण में कार्तिक को अपना क्रश बताया था। बता दें कि भूल भुलैया 2 को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में कियारा और कार्तिक के अलावा तब्बू और राजपाल यादव समेत कई बेहतरीन कलाकार हैं।

फिल्म अर्ध से डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक

-बोलीं- 'बिग बॉस के बाद बदली लाइफ'

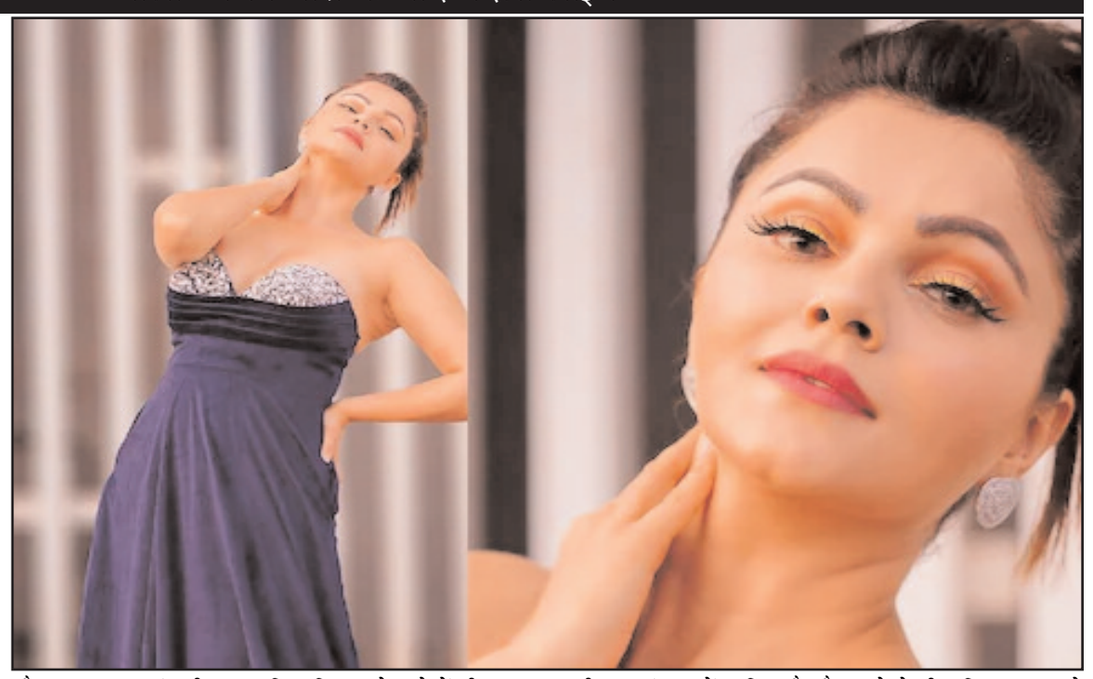

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ओटीटी पर जल्द ही अपनी फिल्म अर्ध से डेब्यू करेंगी। फिल्म में रुबीना दिलैक राजपाल यादव की पत्नी की भूमिका में नजर आएंगी। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक कई सीरियल में पहले नजर आ चुकी हैं और उन्होंने पहले कई सीरियल में काम कर चुकी हैं और टीवी इंडस्ट्री की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अब रुबीना दिलैक ने अपने सफल करियर के साथ संघर्ष और विफलताओं पर भी खुल कर बातें की हैं और शेयर किया कि कैसे अपनी जिंदगी में उन्होंने 70 फीसदी समय सिर्फ असफलता का ही स्वाद चखा है। इंटरव्यू में रुबीना दिलैक ने अपने करियर में किए गए संघर्ष के बारे में भी बात की। साथ ही उन्होंने कहा कि वो उनकी जिंदगी का अहम दौर था। एक्ट्रेस ने साथ राजपाल यादव के साथ अर्ध में होने वाले अपने अनुभव पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि राजपाल यादव इंडस्ट्री में पिछले 25 सालों से काम कर रहे हैं और वो लीजेंड हैं। उन्होंने कहा कि शुरूआत में वो थोड़ी नर्वस जरूर हुई थीं लेकिन राजपाल यादव ने उन्हें सहज महसूस कराया। रुबीना दिलैक ने साथ ही कहा, राजपाल यादव ने कभी भी मुझे आउटसाइडर नहीं महसूस होने दिया। उनके साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। राजपाल यादव और रुबीना दिलैक के अलावा फिल्म में हितेन तेजवानी और कुलभूषण खरबंदा भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म को प्रोड्यूस पाल म्यूजिक ने किया है और इसे लिखा पलाश मुछल ने है। यह फिल्म 10 जून को जी5 पर स्ट्रीम होगी। एक्ट्रेस ने अपने करियर के अलावा निजी जिंदगी के बारे में भी अहम बात की। एक इंटरव्यू में उन्होंने चीटिंग को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था, मैं चीटिंग तो नहीं कहना चाहूंगी लेकिन मेरे भी हार्टब्रेक्स हुए थे। यह एक लंबी और दर्दभरी कहानी है। लेकिन मैंने ओवरकम कर लिया है और पहले से भी अधिक मजबूत हो गई हूं। साथ ही उन्होंने कहा, मैंने खुद को वर्चुअल वर्ल्ड सोशल मीडिया पर खुद को इंट्रोड्यूस किया। मेरे लिए बिग बॉस के बाद जिंदगी में सबकुछ बदल गया।

'सर्जरी के 24 घंटे के अंदर घर भेजना चाहते थे डॉक्टर'

- सोनाली बेन्द्रे ने फिर कैंसर से अपनी लड़ाई की बातें शेयर की

मुंबई (ईएमएस)। द ब्रोकन न्यूज वेब सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले बालीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे ने एक बार फिर कैंसर से अपनी लड़ाई की बातें शेयर की। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान का समय उनके लिए कितना दर्दनाक था। हालांकि उन्होंने उन दर्दनाक अनुभव के बाद अब जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण काफी बदल गया है। बता दें कि वर्ष 2018 में सोनाली को हाई ग्रेड का कैंसर डाइग्नोस हुआ था, जिसके बाद पांच महीने तक न्यूयॉर्क में सोनाली का इलाज चला था। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान सोनाली का परिवार काफी स्ट्रेस में था। भले ही ये वो पल उनके और परिवार के लिए बेहद दर्दनाक था लेकिन उन्होंने उम्मीद थी एक दिन सब कुछ ठीक हो जाएंगा। उस मुश्किल वक्त में भी सोनाली ने हमेशा अपने अंदर स-ाकारात्मक उर्जा ही महसूस कीं और उन कड़वे अनुभवों में उन्होंने बहुत कुछ सीखा है। ये सारी बातें सोनाली ने कहा। रिपोर्ट के अनुसार, सोनाली ने कहा, गोल्डी और मैं जो कहते हैं वह बीसी और एसी है जो कैंसर से पहले और कैंसर के बाद होता है। आप किसी चीज से गुजरते हैं और आप कुछ सबक सीखते हैं। यदि आपने ये नहीं सीखा है, तो यह वास्तव में दुखद है। मुझे लगता है कि ये सब कुछ एक सबक की तरह होता है जो उस पल एक दूसरे को याद दिलाता है कि यह लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया और यात्रा है। सोनाली बेंद्रे ने आगे साझा किया कि कैंसर ट्रीटमेंट के बाद उनके सोचने और चीजों को देखने के नजरिए में काफी बदलाव आया। वह हमेशा ईश्वर के प्रति आभारी रहेंगी कि उन्हें एक बार फिर से एक नया जीवन मिला। सोलानी ने आगे बताया कि न्यूयॉर्क में सर्जरी के बाद उनके शरीर पर 23-24 इंच के निशान रह गए। इसके अलावा, उसने कहा कि उन्हें उनके डॉक्टरों ने निर्देश दिया था कि वह जल्द से जल्द चलना शुरू कर दें। वह बताती हैं कि डॉक्टर्स सर्जरी के बाद इन्फेक्शन को लेकर चिंतित थे और ऐसे में वे उन्होंने जल्द से जल्द अस्पताल छोड़ने के लिए निर्देश देते रहे। मालूम हो कि सोनाली बेंद्रे 90 के दशक की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। अपनी खूबसूरती और शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीत लेने वाली सोनाली जल्द ही अभिनय की दुनिया में वापसी करने वाली हैं। द ब्रोकन न्यूज वेब सीरीज के जरिए सोनाली डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। इस सीरीज में सोनाली एक जर्नलिस्ट की भूमिका में देखी जाएंगी। सोनाली की ये पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें वह कैंसर से उबरने के बाद अभिनय करती नजर आएंगी।

दीपिका पादुकोण को ऑरेंज गाउन को संभालने में हुई परेशानी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का कान्स फिल्म फेस्टिवल से हालिया लुक सामने आया है, जिसमें वो एक ऑरेंज गाउन में नजर आ रही हैं। उन्होंने अब तक अपनी पब्लिक अपियरेंस को सिंपल रखा, लेकिन वो अपने लेटेस्ट लुक को सही से कैरी नहीं कर पाईं। दरअसल दीपिका फिल्म L'Innocente की स्क्रीनिंग में पहुंची थीं, जहां वो बाकी जूरी मेंबर्स के साथ फोटोशूट करवा रही थीं। साथ में असिस्टेंट नहीं होने की वजह से दीपिका खुद ही पूरे वक्त अपनी ड्रेस को संभाल रही थीं। ड्रेस संभालने के चक्कर में उन्हें बहुत अजीब ढंग से चलना पड़ रहा था। दीपिका का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें दीपिका इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में जूरी मेंबर हैं।

दर्शन कुमार बोले- 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद बदल गई लाइफ

बॉलीवुड एक्टर दर्शन कुमार की लाइफ 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद पूरी तरह से बदल गई है। हालांकि, उन्होंने पहले भी कई फिल्में में काम किया, लेकिन उन्हें असली पहचान इसी फिल्म से मिली। दर्शन ने कहा, "पहले ये वही लोग थे, जो मेरे प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट नहीं करना चाहते थे और अब ये मुझे अपनी फिल्मों में बतौर लीड कास्ट कर रहे हैं। मैं 3 जून को एक नई फिल्म की शुरूआत करने जा रहा हूं। इस फिल्म में मैं लीड रोल में हूं।" दर्शन ने 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद लाइफ में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए कहा, "अब डायरेक्टर्स मेरे साथ काम करने की इच्छा जता रहे हैं, लेकिन प्रोड्यूसर्स अभी कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं। लेकिन 'द कश्मीर फाइल्स' के रिलीज होने के बाद मेरी लाइफ में सब कुछ बदल गया है।"

खेसारी ने दी मां-बाबू जी को महंगी कार गिफ्ट

-कभी परिवार का पेट पालने चने बेचते थे खेसारी

मुंबई (ईएमएस)। भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव आजकल एक बड़े काम के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके लिए उनके फैंस उन्हें सलाम कर रहे हैं और लोगों के दिल में उनके लिए मान और भी बढ़ गया है। दरअसल, ये मामला कुछ और नहीं बल्कि उनका माता-पिता को कीमती तोहफा देने वाला है। उन्होंने मां-बाबू जी को एक महंगी कार गिफ्ट की है, जिसकी फोटो उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया है। भोजपुरी के ट्रेंडिंग स्टार बन चुके खेसारी लाल यादव ने अपने ट्विटर अकाउंट पर मां-पिता जी की एक फोटो शेयर की है, जिसमें देखने के लिए मिल रहा है कि उनके पिता जी और मां कार में बैठी हैं। एक्टर ने उन्हें तोहफे में स्कॉर्पियो कार गिफ्ट की है। फोटो में देखा जा सकता है कि स्टेयरिंग पर उनके बाबू जी बैठे हैं और पोज दे रहे हैं वहीं, उनके बगल वाली सीट पर मां भी बैठी हैं। दोनों लोग कैमरे की ओर देख रहे हैं। मां-बाबू को कार गिफ्ट देकर खेसारी की खुशी का ठिकाना नहीं है। उन्होंने फोटो को शेयर करने के साथ ही लिखा, बाबु जी और माई ला आज स्कॉर्पिओ कसाइल है उनकी इस पोस्ट नेटिजन्स और फैंस के रिएक्शन्स देखने के लिए मिल रहे हैं। फैंस तो उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। उन्हें इस नेक काम के लिए सलाम ठोक रहे हैं। आपको बता दें कि खेसारी लाल यादव और उनके मां-पिता ने बेहद गरीबी के दिन देखे हैं। एक समय ऐसा था, जब उनका घर मिट्टी का बना था। चाचा के बच्चों को लेकर वो कुल सात भाई थे, जिस-ाका भरन-पोषण उनके पिता जी चने बेचकर करते थे। एक्टर के घर की ऐसी हालत थी कि उनके सात भाइयों में एक ही कपड़ा सिलवाया जाता था, जिसे सभी मिलकर बारी-बारी पहनते थे। खेसारी भी बड़े होने के बाद बीएसएफ में भर्ती हो गए थे, लेकिन सिंगर बनने की चाहत उन्हें दिल्ली के ओखला ले गई, जहां उन्होंने लिट्टी-चोखा तक पत्नी के साथ बेचा। यहां रहकर पैसे इकट्ठा करके उन्होंने एलबम गाए, जिसमें पहले तो वो फ्लॉप हुआ फिर एक हिट हो गया और उनकी किस्मत रातों रात चमक गई। आज एक्टर इंडस्ट्री के ट्रेंडिंग स्टार हैं, और उनके गाने कइयों दिनों तक ट्रेंड करते हैं। बता दें कि खेसारी फिल्मों में एक्टिंग और गायिकी के अलावा अपने नेक काम के लिए भी जाने जाते हैं। वो सामाजिक कार्यों से जुड़े रहते हैं और लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं रहते हैं।

हंसल मेहता ने 54 की उम्र में की शादी

फिल्ममेकर हंसल मेहता 54 साल की उम्र में अपनी पार्टनर सफीना हुसैन के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने 17 साल साथ रहने के बाद कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में क्लोज फ्रेंड्स और फैमिली के बीच सिंपल वेडिंग सेरेमनी की है। फिल्ममेकर ने सोशल मीडिया पर सेरेमनी के फोटोज शेयर किए हैं। वे-डिंग सेरेमनी की फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "17 साल और दो बच्चे, अपने बेटों को बड़ा होता हुआ देखने और अपने सपनों को पूरा करने के बाद हमने शादी करने का फैसला किया है। लाइफ में हमेशा की तरह यह भी बिना तैयारी और बिना किसी प्लानिंग के था। हालांकि हमारा प्यार और कस्में सच थीं। प्यार की हमेशा जीत होती है।" हंसल ने सेरेमनी के लिए कैजुअल टी-शर्ट और डेनिम्स के साथ बीज कलर का ब्लेजर पहना था, जबकि सफीना पिंक सलवार-कुर्ता पहने दिखीं। फोटोज पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक सब खूब प्यार लुटा रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव ने कमेंट किया, "मेरे फेवरेट कपल को बहुत सारी शुभकामनाएं। आप दोनों एक-दूसरे को पूरा करते हैं। आई लव यू बोथ।" हंसल मेहता की 'अलीगढ़' फिल्म के एक्टर मनोज बाजपेयी ने फोटोज पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'खूबसूरत कपल को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाईयां।'

कपिल की 'भूरी' बड़ी एक्ट्रेसेस की बनेगी रिश्तेदार

-सम्राट मुखर्जी से ब्याह करने जा रही हैं सुमोना चक्रवर्ती!

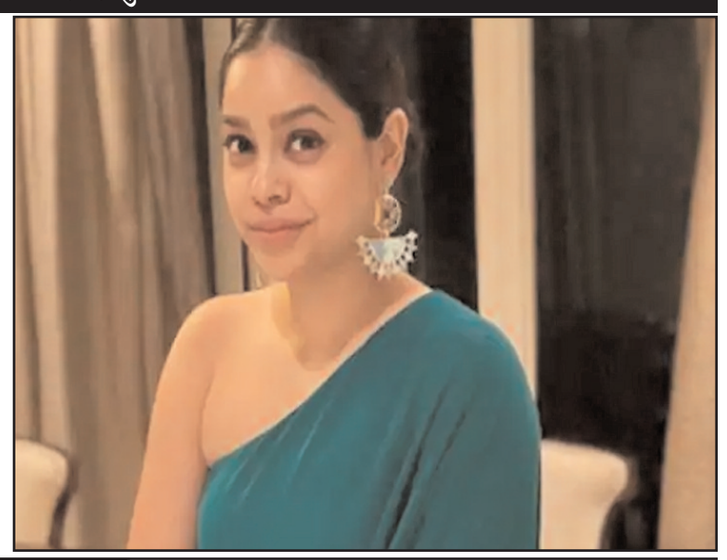

मुंबई (ईएमएस)। कॉमेडियन कपिल शर्मा की भूरी बॉलीवुड के बड़ी एक्ट्रेसेस की रिश्तेदार बनना जा रही हैं। ऑनस्क्रीन कपिल की पत्नी का रोल करने वाली सुमोना रियल लाइफ में काजोल और रानी मुखर्जी के कजिन सम्राट मुखर्जी को डेट कर रही हैं। हाल ही में इस डेटिंग और शादी के बारे में उन्होंने चुप्पी तोड़ी और सच्चाई को सबके सामने बयां किया। सुमोना चक्रवर्ती ने काजोल और रानी मुखर्जी के कजिन सम्राट मुखर्जी के साथ अपनी शादी को खबरों का सच्चाई को बयां किया। उन्होंने ऐसी खबरों को सिर्फ बकवास करार दिया और दो टूक कहा कि ये सिर्फ और सिर्फ अफवाह है बाकी कुछ नहीं। उन्होंने कहा, ये सोशल मीडिया के जरिए फैलीं 10 साल पुरानी कहानियां हैं। जो सिर्फ बकवास है। उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो मैं इस बारे में कोई बात नहीं करना चाहती, क्योंकि मुझे अपने निजी जीवन के बारे में बात करना पसंद नहीं है और जहां तक बात शादी का है, तो अगर कभी कोई डेवलपमेंट होता है, तो आप सभी को इसके बारे में पता चल जाएगा। मैं इस बात की घोषणा खुद करूंगी। सम्राट मुखर्जी के साथ रिश्ते पर उन्होंने कहा कि वह सिर्फ मेरे एक अच्छे दोस्त हैं और मेरे नेचर में है कि मैं अपने दोस्तों या परिवार के बारे में मीडिया से बात नहीं करती। सम्राट का भी बॉलीवुड से कनेक्शन है, वह डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर की फिल्म खेले हम जी जान से में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा वह भाई भाई, सिकंदर सड़क का जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने बंगाली सिनेमा में भी काफी काम किया है। दुबई के रेडियो स्टेशन जोश 978 यूएई पर सुमोना ने कहा था कि सम्राट उनके सिर्फ फैमिली फ्रैंड हैं। उन्होने बताया कि उनकी सम्राट से मुलाकात साल में सिर्फ एक बार दुर्गा पूजा पर ही होती है।

सूडोकु नवताल- 6084

सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6083 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6831

आ	ल	र	सं	दा	प	र	तू	ग	झ	आ	
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ	
अं	इ	नु	रा	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी	
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता	
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ	
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल	
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले	
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ	
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द	
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना	
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क	

शब्दजाल में दस फलों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

आम,संतरा, अनार,तरबूज, अंगूर, नाशपति,सीताफल,सेब,अन्नानास, पपीता

शब्दजाल - 6830 का हल

मु	हु	मे	रि	दु	च	मे	ली	च	ट	र्जी	
मो	खु	क	च	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी	
ग	पी	जा	म्पा	र	ग	बा	द	ह	प	ल	
रा	ग	ए	रा	ह	जा	रो	ल	ह	गु	प्रे	
गु	ल	मो	ह	र	ह	ला	कि	यो	ला	प	
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	ब	न	
न	र	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति	
क	रि	ज	र	य	र	क	म	ल	वि	रे	
र	या	बा	नी	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी	
र	ग	ल	नो	गं	व	शि	के	त	की	ल	
बां	स	प	ज	न	धा	घ	गु	ड़	ह	ल	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5784

7	4	5	2			
	38		32	1	27	7
	3			6		2
	30		40	7	32	
6	1	4			5	3
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5783 का हल

5	1	3	6	7	2	4
6	34	6	33	1	33	7
7	5	1	3	6	4	2
1	26	2	29	4	33	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in